श्री सिद्धि विनायक
हार्ट केयर
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रात 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 126 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 16 फरवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

आवश्यकता है
दैनिक गुरु एक्सप्रेस
गुरु एक्सप्रेस की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार
संपर्क
संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक
कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस
9425105928. 8319964648

गोदाम में लगी आग, मशक्कत के बाद पाया काबू

नीमच, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के चौकन्ना बालाजी मंदिर के पीछे बंगला नंबर 59 में बुधवार देर रात मंडी व्यापारी के गोदा में पटाखे की चिंगारी से भीषण आग लग गई। धुआं देखकर लोगों को आग लगने की जानकारी मिली। तत्काल लोगों ने नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर नगर पालिका, धानुका फैक्ट्री की फायर ब्रिगेड के साथ दो पानी के टैंकर पहुंचे। जहा करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि यह गोदाम नीमच कृषि उपज मंडी के व्यापारी अखेसिंह कोठारी का है। जिनके गोदाम में उपज के साथ उपज भरने के बारदान व अन्य सामग्री रखी हुई थी। आशंका जाहिर की जा रही है कि पास ही आयोजित हो रहे एक विवाह समारोह में हुई आतिशबाजी से पटाखे की चिंगारी उड़कर गोदाम में चली गई होगी और धीरे-धीरे आग ने गोदाम में रखे बारदान को अपनी जद में ले लिया। वहीं आग बुझाने के दौरान पानी से गोदाम में रखी हुई उपज को भी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल इस आगजनी में हुये नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

दोस्ती, शादी का झांसा और रेप

मंदसौर के युवक के खिलाफ इंदौर में बलात्कार का प्रकरण दर्ज

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। इंदौर के लसूड़िया थाना क्षेत्र की निवासी एक युवती ने अपने दोस्त के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कराया है। आरोपी मंदसौर का रहने वाला है। वह इंदौर में पढ़ाई करने गया था। दोनो की पढ़ाई के दौरान ही दोस्ती हुई थी। पुलिस के मुताबिक 30 साल की युवती ने अपने दोस्त स्वपनेश पोरवाल निवासी नरसिंह स्वीटस मंदसौर के खिलाफ रेप के मामले में केस दर्ज कराया है। पीडिता आईटी कंपनी में इंजीनियर है। वह आरोपी को करीब दस सालो से जानती है। पढ़ाई के दौरान ही दोनो की दोस्ती हुई। इसके बाद आरोपी ने शादी करने का झांसा देकर कई बार पीड़िता से संबध बनाए। बाद में आरोपी स्वपनील पीड़िता से शादी नही करके किसी अन्य युवती से शादी रचा रहा था। जब पीड़िता को जानकारी लगी तो वह अपनी मां के साथ थाने पहुंची ओर मामले में आरोपी युवक स्वपनील के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करा दिया।

जिले में अब दो पॉवर फूल

[उप मुख्यमंत्री के बाद राज्यसभा सांसद]

भोपाल/मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भाजपा सरकार में मंदसौर जिले से अभी तक दो मंत्री हरदीपसिंह डंग और जगदीश देवड़ा, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता और तीन बार के विधायक यशपालसिंह सिसौदिया और भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी रह चुके सांसद सुधीर गुप्ता के बीच में पॉवर बैंक वितरित था। वेलेंटाईन डे के दिन आई खबर के बाद अब शक्ति केंद्र दो ही नेताओं के बीच बंट गया है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राज्यसभा सांसद उम्मीद्वार बंशीलाल गुर्जर। बहुमत के आधार पर बंशीलाल गुर्जर का राज्यसभा सांसद बनना तय है। ऐसे में जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले की राजनीति में बंशीलाल गुर्जर का हस्तक्षेप का दायरा तगड़ा बढ़ जाएगा। इधर भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित अन्य नेताओं के साथ पहुंचकर बंशीलाल गुर्जर ने नामांकन दाखिल किया। सीएम यादव ने कहा कि बंशीलाल गुर्जर एक जानकार व्यक्ति है।

सीएम बोले-बंशीलाल गुर्जर जानकार व्यक्ति, मुख्यमंत्री के साथ पहुंचे नामांकन दाखिल करने

इसलिए गूंजेंगी बंशी की बंशी...

कुछ समय पहले तक सुवासरा विधायक हरदीपसिंह डंग मंत्री थे। जिसके चलते समर्थकों की फौज के साथ जिले की राजनीति में हस्तक्षेप था। अब उनका दायरा सुवासरा विधानसभा तक ही सीमित रह गया। इधर तीन बार के विधायक और प्रदेश प्रवक्ता यशपालसिंह सिसौदिया इस बार मामूली अंतर से चुनाव हार गए। किसी भी मुद्दे पर प्राथमिकता राज्यसभा सांसद की ही ज्यादा रहेगी। बात करें सांसद सुधीर गुप्ता की तो फिलहाल टिकीट को लेकर उनका प्रयास जारी है। लेकिन, जिले से उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद देने के बाद माना जा रहा है कि नीमच या जावरा से किसी को लोकसभा में मौका मिल सकता है। यह भी हो सकता है कि पेराशूट से कहीं ओर से उम्मीदवार उतार दिया जाए। वहीं अन्य स्थानीय भाजपा के वरिष्ठ नेता पहले ही लूप लाईन में है। इधर शिवराजसिंह चौहान के समर्थक नेता भी न्यूटल स्थिति में आ चुके हैं।

जिला मुख्यालय की राजनीति में सीधा हस्तक्षेप...

बात करें जिला मुख्यालय की तो यहां की राजनीति और अन्य कार्यो में बंशीलाल गुर्जर का सीधा हस्तक्षेप रहेगा। इसका कारण है कि उनकी धर्मपत्नी रमादेवी गुर्जर पहले से ही नपाध्यक्ष है। बात करें उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की तो अभी तक के सरल और सहज स्वभाव के जगदीश देवड़ा मल्हारगढ़ के अलावा अन्य विस क्षेत्र या जिला मुख्यालय पर ज्यादा हस्तक्षेप करते नजर नहीं आए।

सीएम और पूर्व सीएम के साथ पहुंचे बंशीलाल गुर्जर...

बंशीलाल गुर्जर अभी तक स्थानीय निर्वाचन में कई दायित्व संभाल चुके हैं। किसानों के मामले में एक जानकार व्यक्ति है। राज्यसभा में पहुंचकर पूरे देश के किसान वर्ग के लिए आवाज उठाकर उनके हितों के लिए काम करेंगे। यह बात मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहीं। राज्यसभा उम्मीद्वार बंशीलाल गुर्जर गुरुवार सुबह प्रदेश भाजपा कार्यालय भोपाल पहुंचे। यहां सीएम मोहन यादव, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। इसके बाद मुख्यमंत्री सहित अन्य नेताओं के साथ पहुंचकर नामांकन दाखिल किया।

किसानों के बीच खासी पैठ...

लंबे समय से किसानों के बीच काम कर रहे बंशीलाल गुर्जर को प्रत्याशी बनाकर भाजपा ने लोकसभा चुनाव से पहले किसान और ओबीसी वर्ग को साधने का प्रयास किया है। गुर्जर ओबीसी वर्ग से है। बंशीलाल गुर्जर ने किसान मोर्चा मंडल महामंत्री के रूप में संगठन का काम शुरु किया। तो साबाखेडा सरपंच के साथ राजनीतिक यात्रा शुरु की। पैतालिस साल की राजनीतिक यात्रा में संगठन में कई जिम्मेदारी संभाली। किसान मोर्चा व भाजपा मंडल अध्यक्ष रहे। जिला भाजपा के अध्यक्ष भी रहे। मंडी कमेटी के अध्यक्ष भी रहे। किसान मोर्चा में मंडल महामंत्री से लेकर मोर्चा जिलाध्यक्ष, प्रदेशाध्यक्ष बने। अभी राष्ट्रीय किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष व हुडको के डायरेक्टर है तो उनकी धर्मपत्नी रमादेवी गुर्जर नपाध्यक्ष है।

जिले को तीसरी बार राज्यसभा में मौका...

राज्यसभा में मंदसौर शहर को पहली बार गुर्जर के रूप में मौका मिला है। तो वहीं जिले को तीसरी बार राज्यसभा में मौका मिला है। इसके पहले भानपुरा के रहने वाले और 1952 में मध्यभारत प्रांत के जनसंघ के पहले विधायक बने विमल कुमार चौरड़िया को बाद में राज्यसभा सांसद बनने का मौकामिला था। इसके बाद भानपुरा के रहने वाले रघुनंदन शर्मा राज्यसभा गए थे। बात करें संसदीय क्षेत्र की तो संसदीय क्षेत्र में अभी तक चार राज्यसभा सांसद रहे हैं। जिसमें विमल चौरड़िया, बालकवि बैरागी, रघुनंदन शर्मा और डॉ रघुवीरसिंह शामिल है।

नीलामी में लहसून की बोली 2 हजार रूपए लगाने से किसान आक्रोशित, व्यापारी को भागना पड़ा

मनासा, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर की कृषि उपज मंडी में लहसूनी नीलामी के दौरान बोली की शुरुआत में ही किसान भड़क उठे। किसानों के विरोध को देखते हुए व्यापारी को मौके से भागना पड़ा। कृषि उपज मंडी में लहसून बेचने आए किसानों ने बोली के लिए अपने-अपने ढेर लगा दिये थे। जैसे ही लहसून की बोली शुरू हुई लहसून व्यापारी ने बोलीं को दो हजार रुपए से शुरू की। कम भाव पर बोली लगने पर लहसून लाये किसान भड़क गए। किसानों ने कम बोली को लेकर विरोध शुरू कर दिया। किसानों के विरोध को देखते ही लहसून व्यापारी को मौके से भागना पड़ा।

गुरुवार को सुबह जैसे ही मंडी शुरू हुई लहसून की खरीदी करने वाले तेरह पंजीकृत व्यापारियो में से उस समय सिर्फ तीन व्यापारी ही लहसून खरीदने के लिए कृषि उपज मंडी में नीलामी में पहुंचे थे। लहसून के ढेर पर जाकर बोली शुरू कर दी। बोली की शुरुआत 2 हजार रुपए से शुरू कर दी। जबकी लहसून का भाव 20-25 हजार रुपए प्रति क्विंटल से उपर चल रहा है। दरअसल कृषि उपज मंडी में लहसून की खरीदी करने वाले शेष व्यापारी के देरी से पहुंचने पर कुछ लहसून व्यापारियों ने उसका फायदा उठाने का प्रयास किया। लहसून की बोली की शुरुआत 2 हजार रुपए से कर दी। जिसे देखकर किसानों ने बोली पर हंगामा खड़ा कर दिया। किसानों के हंगामे को देखते ही लहसून व्यापारी को मौके से भागना पड़ा। इस दौरान कृषि उपज मंडी में कोई भी जवाबदार कर्मचारी व अधिकारी मौजूद नहीं था। हंगामा बढ़ते देख पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर स्थिति को संभाला। कृषि उपज मंडी में किसानों व्यापारियों के बीच आये दिन उपज को लेकर विवाद होते रहते हैं। गुरुवार सुबह लहसून की खरीदी करने वाले व्यापारियों ने किसानों के साथ छल कपट करने की कोशिश की है। कृषि उपज मंडी के अधिकारियों की भी मिली भगत है। यहां के अधिकारियों के भ्रष्टाचार को लेकर कई बार सवाल खड़े हुए हैं, जो आज भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

अब नंबर प्लेट से टोल पर कट जाएंगे रुपए

परिवहन विभाग एवं एनएचएआई का संयुक्त प्रोजेक्ट, विवादों से निपटने के लिए नया फार्मूला

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय राजमार्ग पर गाड़ी चलाते समय अब टोल प्लाजा पर आपको कर्मचारी से किसी प्रकार का संवाद नहीं करना पड़ेगा। टोल प्लाजा के कर्मचारी भी किसी को वीआईपी ट्रीटमेंट नहीं दे पाएंगे और यहां दबंगों का रसूख भी अब काम नहीं करेगा। परिवहन विभाग एवं नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के संयुक्त प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश के 100 से ज्यादा टोल प्लाजा को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम से कनेक्ट कर दिया गया है। फरवरी के पहले सप्ताह से शुरू हुआ पायलट प्रोजेक्ट सफल होने के बाद इसे बाकी के टोल प्लाजा पर भी लागू किया जा रहा है। यह सिस्टम अब फास्टैग की अनुपस्थिति में गाड़ी की नंबर प्लेट पढ़कर ही आपके बैंक खाते से टोल टैक्स की राशि काट लेगा। टैक्स बचाने और विवाद कर नाका क्रॉस करने जैसी घटनाओं को रोकने के लिए एजेंसियों ने यह रास्ता निकाला है। फास्ट टैग कार्ड होल्डर्स के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें फरवरी के महीने में केवाईसी प्रक्रिया अपडेट करने को कहा गया था। जिन फास्टैग कार्ड की केवाईसी अपडेट नहीं होगी वह टोल प्लाजा पर काम नहीं करेंगे और ऐसे वाहन चालकों से दोगुना शुल्क वसूल किया जाएगा।

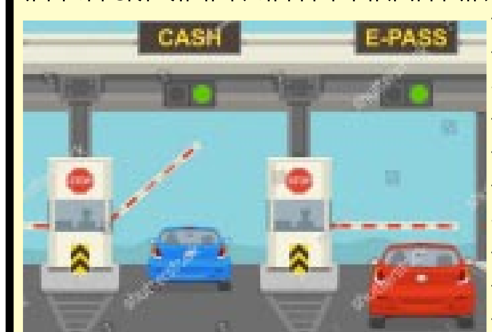

पहले से जारी फास्टैग को केवाईसी अपडेट करने के लिए आप अपने बैंकिंग एंड्रॉयड एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर सकते हैं। कार्ड को स्कैन करने के बाद इस पर अपना आधार कार्ड, बैंक खाता नंबर सहित वाहन नंबर दर्ज करते ही बैंक द्वारा आपके फास्ट टैग को केवाईसी अपडेट कर दिया जाएगा। 1 फरवरी के बाद ब्लॉक होने की स्थिति में भी आप अपने एंड्रॉयड एप्लिकेशन के जरिए इसे दोबारा एक्टिवेट करवा सकते हैं या फिर बैंक प्रबंधन की मुख्य शाखा में जाकर मदद ले सकते हैं, ऐसा नहीं करने पर टोल प्लाजा पर दोगुना शुल्क लगेगा।

यह है नए नियम...

* एक वाहन के लिए एक कार्ड ही सक्रिय रहेगा। * कार्ड खराब होने पर ही आप अपने संबंधित जारीकर्ता बैंक से स्टिकर बदलने के लिए अनुरोध कर सकते हैं। * कार्ड रिचार्ज करने के लिए अब मोबाइल वॉलेट ऐप्स का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। * आप एक फास्टैग खाते से दूसरे फास्टैग खाते में राशि ट्रांसफर नहीं कर सकते। * कार्ड ब्लॉक होने पर शेष राशि लेप्स हो जाएगी।

इनका कहना...

केंद्र सरकार की गाइड लाइन के अनुसार फास्ट टैग सिस्टम को अपडेट किया गया है। इससे यात्री सुरक्षा एवं टोल प्लाजा पर समय की बचत होगी।

डीपी गुप्ता, आयुक्त, परिवहन

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर मध्यमिक विद्यालय
केशवनगर, अभिनन्दन नगर, मंदसौर जिला मंदसौर
(प्रो. राजेंद्रसिंह शिक्षण समिति द्वारा संचालित)
विज्ञप्ति

पद	शैक्षणिक योग्यता	विषय	वेतन
PGT	स्नातकोत्तर उपाधि + बी.एड. अनुभवी अभ्यर्थी को वरीयता	हिंदी, अंग्रेजी, गणित, भौतिकी, रसायन, जीव-विज्ञान, बिजनेस स्टडी, अर्थशास्त्र, अकाउंटेंसी, कृषि गणित	10800....... से प्रारंभ
TGT	स्नातक उपाधि + बी.एड. अनुभवी अभ्यर्थी को वरीयता	हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान, सा.विज्ञान	8500....... से प्रारंभ
PRT	स्नातक उपाधि + डी.एड./डी.एल.एड. अनुभवी अभ्यर्थी को वरीयता	समस्त विषय (अंग्रेजी माध्यम)	7000....... से प्रारंभ
NET	स्नातक / डिप्लोमा संबंधित विषय में अनुभवी अभ्यर्थी को वरीयता	आर्ट एंड क्रॉफ्ट, संगीत, कंप्यूटर शिक्षक, कंप्यूटर ऑपरेटर, अकाउंटेंट,	7000....... से प्रारंभ
MTS	मिडिल / हायर सेकेंडरी (अनुभव एवं समस्त अहर्ता)	सेवक/सेविका, चालक, परिचालक (महिला / पुरुष)	नियम एवं शर्तों के अनुसार

ध्यान दीजिये :-

1. आचार्य आवेदन फार्म विद्यालयीन कार्यालय समय प्रात: 09:00 बजे से दोप. 02:00 बजे तक 200/- रु. शुल्क जमा कर प्राप्त कर सकते है |
2. आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 मार्च 2024 तक |
3. लिखित परीक्षा व साक्षात्कार की प्रविण्यता के आधार पर ही चयन होगा |
4. आवेदन के साथ समस्त दस्तावेज लगाना अनिवार्य है |
5. वेतन व वेतनमान पद एवं योग्यतानुसार देय रहेगा, जो साक्षात्कार के समय निर्धारित किया जायेगा |
6. CBSE विद्यालय से सेकेंडरी / सीनि. सेकेंडरी व CBSE विद्यालय में शिक्षण अनुभव होने पर पृथक से मानदेय होगा |
7. भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बिमा एवं आचार्य सुरक्षा न्यास योजना लागु |
8. प्रवेश प्रारंभ कक्षा प्री - नर्सरी से द्वादश तक |

(नियम व शर्ते लागु)

Contact: 07422-405520, 9009050406,7999948464 |

(सचिव/व्यवस्थापक)

अब इलेक्टोरल बांड से चंदा नहीं ले पाएगी राजनैतिक पार्टियां

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, भाजपा ने 6 साल में लिए 6337 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 15 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा चुनाव से पहले 6 वर्ष पुरानी इलेक्टोरेल बॉन्ड योजना पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा के ये स्कीम असंवैधानिक है। बांड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन है। वर्ष 2018 से अब तक इलेक्टोरल बांड के जरिए सबसे ज्यादा चंदा भाजपा को मिला है। 6 साल में चुनावी बांड से भाजपा को 6 हजार 337 करोड़ रूपए की चुनावी फंडिंग हुई है। जबकि, कांग्रेस को 1 हजार 108 करोड़ रूपए चुनावी चंदा मिला है।

5 जजों ने सर्वसम्मति से इस पर फैसला सुनाया। चीफ जस्टिस ने कहा पॉलिटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है, जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है। इलेक्टोरल बांड स्कीम को असंवैधानिक करार दिया जाता है। क्योंकि, इससे लोगों के सूचना के अधिकार का उल्लंघन होता है और इसमें देने के बदले कुछ लेने की गलत प्रक्रिया पनप सकती है। चुनावी चंदा देने में लेने वाला राजनीतिक दल व फंडिंग करने वाला दो पार्टियां शामिल होती हैं। ये राजनीतिक दल को सपोर्ट करने के लिए होता है या फिर कंट्रीब्यूशन के बदले कुछ पाने की चाहत हो सकती है। राजनीतिक चंदे की गोपनीयता के पीछे ब्लैक मनी पर नकेल कसने का तर्क सही नहीं है। यह सूचना के अधिकार का उल्लंघन है। निजता के मौलिक अधिकार में नागरिकों के राजनीतिक जुड़ाव को भी गोपनीय रखना शामिल है।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच ने तीन दिन की सुनवाई के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला व जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच में सुनवाई हुई थी। इसे लेकर चार याचिकाएं दाखिल की गई थीं। याचिकाकर्ताओं में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, कांग्रेस नेता जया ठाकुर व सीपीएम शामिल है। केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए थे। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने याचिकाकर्ताओं की तरफ से पैरवी की थी। 2 नवंबर को फैसला सुरक्षित रखने के ठीक 4 दिन बाद 6 नवंबर को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी 29 ब्रांचों के जरिए इलेक्टोरल बांड इश्यू किए थे। 6 नवंबर से 20 नवंबर तक इश्यू किए गए बांड में 1000 करोड़ रुपए का चुनावी चंदा दिया गया था।

फंडिंग का असर राजनीतिक प्रक्रिया पर हो सकता है...

किसी एक व्यक्ति की ओर से दिए गए चंदे के मुकाबले किसी कंपनी की ओर से की गई फंडिंग का राजनीतिक प्रक्रिया पर ज्यादा असर हो सकता है। कंपनियों की ओर से की गई फंडिंग शुद्ध रूप से व्यापार होता है। चुनावी चंदे के लिए कंपनी एक्ट में संशोधन मनमाना व असंवैधानिक कदम है। इसमें कंपनियों व किसी एक चंदा देने वाले को एक जैसा बना दिया गया। इसके जरिए कंपनियों की ओर से राजनीतिक दलों को असीमित फंडिंग का रास्ता खुल गया।

बांड जारी करने वाले बैंक एसबीआई को निर्देश...

इलेक्टोरेल बांड जारी करने वाले बैंक एसबीआई को निर्देश दिए गए कि राजनीतिक दलों का ब्योरा दे, जिन्होंने 2019 से अब तक इलेक्टोरल बांड के जरिए चंदा हासिल किया है। एसबीआई राजनीतिक दल की ओर से कैश किए गए हर इलेक्टोरल बॉन्ड की डिटेल दे, कैश करने की तारीख का भी ब्योरा दे। एसबीआई यह सारी जानकारी 6 मार्च 2024 तक इलेक्शन कमीशन को दे। एसबीआई से मिलने वाली जानकारी को चुनाव आयोग 13 मार्च तक अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर पब्लिश करे। ताकी जनता भी इनके बारे में जान सके।

मतदाता अपने वोट का सही चुनाव कर सकता है...

पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी के चलते मतदाता अपने वोट के लिए सही चुनाव कर सकता है। सारी राजनीतिक फंडिंग पब्लिक पॉलिसी में बदलाव के उद्देश्य से नहीं होती है। छात्र एवं दिहाड़ी मजदूर आदि भी चंदा देते हैं। ऐसे में सिर्फ इसलिए चुनावी चंदे को गोपनीयता के दायरे में रखना क्योंकि कुछ कंट्रीब्यूशन किसी और मकसद से किए गए हैं, यह अनुचित है।

बदलाव पर सरकार के तर्क...

सरकार ने तर्क देते हुए कहा कि नाम जाहिर ना करने से कंपनी किसी तरह के बदले की भावना व अत्याचार से बच जाएगी। चंदा देने वाला सिर्फ यही चाहता है कि दूसरी पार्टियां इसके बारे में ना जान पाएं। जैसे एक कॉन्ट्रेक्टर के तौर पर मैं कांग्रेस को चंदा दूंगा पर यह नहीं चाहूंगा कि भाजपा को इसका पता चले, क्योंकि कल वो सरकार भी बना सकती है। डोनेशन की लिमिट हटाने पर सरकार ने कहा था कि यह लिमिट काम नहीं कर रही है। क्योंकि फंडिंग के लिए शेल कंपनियों का इस्तेमाल हो रहा है। 7.5 प्रतिशत की लिमिट हटाने से शेल कंपनियां बनाने की प्रोसेस को बढ़ावा नहीं मिलेगा।

विचार-मंथन

एमएसपी पर सरकार की नीति बनी संघर्ष की जड़

संयुक्त किसान मोर्चा का कहना है कि ताजा प्रदर्शन के जरिए वे सरकार को दो वर्ष पहले किए गए उन वादों को याद दिलाना चाहते हैं, जो आंदोलन को वापस लेने की अपील करते हुए सरकार ने किए थे। करीब दो वर्ष पहले किसानों ने जब अपने आंदोलन के तहत दिल्ली की सीमाओं पर डेरा डाला था, तब कई महीनों तक प्रदर्शन के बाद सरकार के साथ कुछ बिंदुओं पर सहमति बनी और किसान वापस गए। मगर अब एक बार फिर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के लिए कानून की मांग सहित कई अन्य मुद्दों के साथ किसानों ने 'दिल्ली चलो' के नारे के साथ प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सवाल है कि आखिर किसानों के पिछले आंदोलन के बाद सरकार के साथ हुए समझौते का क्या स्वरूप था और उसमें बनी सहमति को जमीन पर उतारने को लेकर ऐसी गंभीरता क्यों नहीं दिखी कि किसानों को फिर से सड़क पर उतरने की नौबत आई। गौरतलब है कि दो वर्ष पहले किसानों के ऐतिहासिक आंदोलन के बाद केंद्र सरकार को संसद से पारित तीन कृषि कानूनों को रद्द करना पड़ा था। तब सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गारंटी देने का वादा किया था। मगर किसानों की शिकायत है कि सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं किए। अब किसानों के ताजा आंदोलन के बाद फिर जो हालात पैदा हो रहे हैं, अगर उसे लेकर सही नीति नहीं अपनाई गई तो सड़कों पर अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती है। विचित्र यह भी है कि सरकार की ओर से किसानों को रोकने के लिए जिस तरह सड़क पर कीलें लगाने और बाधाएं खड़ी जैसे उपाय किए गए हैं, उसे एक तरह से विरोध प्रदर्शन को बाधित करने की तरह देखा जा रहा है। जबकि एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी को अपने वाजिब मुद्दों के लिए विरोध जताने या प्रदर्शन करने का अधिकार होना चाहिए। यह सरकार के लिए सोचने का वक्त है कि आखिर पिछले आंदोलन के दौरान बनी सहमति के बिंदुओं को लागू करने को लेकर कहां चूक या लापरवाही हुई कि किसान संगठन फिर से अपनी मांगों के साथ सड़क पर आ गए। संयुक्त किसान मोर्चा का कहना है कि ताजा प्रदर्शन के जरिए वे सरकार को दो वर्ष पहले किए गए उन वादों को याद दिलाना चाहते हैं, जो आंदोलन को वापस लेने की अपील करते हुए सरकार ने किए थे। वे वादे अब तक पूरे नहीं हुए। वहीं सरकार की ओर से ऐसे संकेत दिए जा रहे हैं कि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी वाला कानून सभी हितधारकों से परामर्श किए बिना जल्दबाजी में नहीं लाया जा सकता है। सवाल है कि वादा करने के बावजूद सरकार आखिर अब तक क्या कर रही थी कि इस मसले पर किसानों के बीच स्पष्टता नहीं बन सकी? हालांकि विरोध प्रदर्शन से उपजने वाली अव्यवस्था की आशंका के मद्देनजर सरकार किसानों को रोकने की कोशिश कर रही है, लेकिन अगर किसान संगठन अपनी बात शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से जनता और सरकार के सामने रखना चाहते हैं, तो उन्हें बाधित क्यों किया जाना चाहिए? फिर किसान संगठनों को भी यह खयाल रखने की जरूरत है कि उनके आंदोलन की वजह से कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति और आम जनता के सामने मुश्किलें न पैदा हों। गौरतलब है कि दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के जमावड़े की वजह से आम जनता के सामने कई प्रकार की दिक्कतें खड़ी होनी शुरू हो गई हैं। जरूरत इस बात की है कि हालात जटिल होने से पहले सरकार किसान संगठनों से बातचीत का रास्ता निकाले और सहमति के बिंदु तैयार करे।

मोदी के लिए इतनी भी आसान नहीं है रायसीना की राह

अनिल तिवारी

आजकल समाचारों की सुर्खियों में राम लहर के साथ मोदी के लिए अबकी बार 400 पार के साथ ही इंडिया गठबंधन बिखर जाने की खबरें छाई हुई है। विभिन्न माध्यमों से आम मतदाताओं के बीच यह धारणा बनाई जा रही है कि चुनाव के नतीजे लगभग तय हो चुके हैं। खुद प्रधानमंत्री एवं उनकी टीम के नेता अपनी बातों एवं अनुकूलित मीडिया के जरिए अवधारणा के स्तर पर जनता में यह संदेश देने की लगातार कोशिश कर रहे हैं कि वे और उनका गठबंधन ही देश की असली गारंटी है। हालांकि कई अंतरविरोधों से ग्रस्त इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के लगातार बिखराव और कलहकारी परिदृश्य भाजपानीत-एनडीए के दावों को पुख्ता करने के लिए खाद-पानी का काम कर रहे हैं, लेकिन प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती। गठबंधन की उठा पटक से ठीक पहले तीन राज्यों में बुरी तरह हार चुकी कांग्रेस न्याय यात्रा के जरिए रणनीतिक तरीके से सरकार को घेरने की हर संभव कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी सभाओं में छात्रों, नौजवानों, गरीबों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों,किसानों के मूलभूत मुद्दों को आगे कर मोदी सरकार की नीतियों पर लगातार प्रहार कर रहे हैं। यानी एक दूसरे को मात देने के लिए मतदान से पहले यह लड़ाई खबरों से लड़ी जा रही है। तीसरी बार भी मोदी ही सरकार, अथवा अबकी बार 400 के पार का नारा चुनाव की घोषणा के पहले ही दिया जा रहा है। भाजपा के छोटे से लेकर बड़े नेता उठते बैठते इस स्लोगन को दोहरा रहे हैं। वहीं टीम राहुल से जुड़े लोग चुनिंदा बड़े उद्योगपतियों को निशाने पर लेकर सरकार पर गरीबों का हक मारने, आर्थिक लूट के आरोप मढ़ कर अपनी दलीलें पेश कर रहे हैं। यह मतदाताओं की राजनीतिक भूमिका निभाने की क्षमता को प्रभावित करने की कोशिश जैसा दिखता है। टेक कंपनियों की मदद से खबरों के इको चेंबर का निर्माण कर विचारधारा के प्रभाव से मुक्त नए मतदाताओं की राजनीतिक समझ को कुंद करने की कोशिश जैसी लगती है। बाजार द्वारा उपलब्ध आंकड़ों और कृत्रिम मेधा की मदद से एक-एक मतदाता की भावनात्मक कमजोरी के हिसाब से उसे चुभने वाले राजनीतिक असरकारी संवाद परोसे जा रहे हैं। इस मामले में कोई भी दल पीछे नहीं है, लेकिन विशाल वैभव के सहारे सत्ता पक्ष ऐसी अवधारणाएं गढ़ने में सबसे आगे है। भाजपा भले ही 400 पार का नारा लगा रही है, मगर इसे पाना बहुत आसान काम नहीं है। वर्तमान को देखकर यह कतई नहीं कहा जा सकता कि 2024 के चुनाव में इंडिया गठबंधन भाजपा के विजय रथ को लगाम दे सकता है, लेकिन मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि खेल अभी उतना आसान नहीं है जितना बीजेपी की ओर से दावे किए जा रहे हैं। जो लोग दुहाई दे रहे हैं कि राम मंदिर मसले के बाद पूरा देश राम मय हो गया है और भाजपा बड़े अंतर से चुनाव जीतेगी, यह ऐसा सोचने वालों की महज कोरी कल्पना है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर पूरा देश खुश और संतुष्ट है। दुनिया के अधिकांश हिस्सों में भारत के प्रति सहानभूति रखने वाले भी गदगद है। लेकिन वोट को लेकर राम मंदिर निर्माण का असर अधिकाधिक हिंदी प्रदेशों पर ही पड़ेगा जहां पहले से ही भाजपा की स्थिति बहुत अच्छी है। कहने का आशय यह है कि इस मुद्दे का जितना अधिकतम फायदा मिलना था, 2019 के चुनाव में मिल चुका है। 2024 में भाजपा के लिए यह मुद्दा कोई खास करिश्मा करेगा इसमें संदेह है। यही कारण है कि मंदिर उद्घाटन और राम के नाम का खुलेआम राजनीतिकरण कर सत्ता की हैट्रिक लगाने का सपना देखने वाली भारतीय जनता पार्टी भी इंडिया गठबंधन से सहमी हुई है। इसी असुरक्षा का नतीजा था कि जिस नीतीश कुमार के लिए भाजपा ने अपने दरवाजे सदा सदा के लिए बंद कर दिए थे, अब खुशी-खुशी रेड कारपेट बिछाकर उनकी अगवानी करनी पड़ी है। उत्तर प्रदेश में 2019 की परफॉर्मेंस को बरकरार रखने के लिए जाट बिरादरी के किसान नेता चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न देकर उनके पोते जयंत चौधरी से गलबहियां करनी पड़ी। इंडिया गठबंधन में सपा, आप, राजद, डीएमके, झामुमो जैसी बड़ी और स्थानीय स्तर पर अधिक प्रभाव रखने वाली पार्टीयां शामिल है। पिछली बार भाजपा के 37त्न वोट के मुकाबले अकेले कांग्रेस को 20त्न वोट मिले थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में 189 ऐसी सीट थी जहां कांग्रेस की भाजपा से सीधी टक्कर थी अबकी बार इन सीटों में से कई पर समीकरण पूरी तरह से बदल गए हैं। पिछली बार पूर्वोत्तर में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला था लेकिन अबकी बार ऐसा नहीं होने वाला। मणिपुर हिंसा असम मेघालय विवाद के नजरिए से देखें तो कांग्रेस मतदाताओं पर असर डाल रही है। हाल में आया मिजोरम विधानसभा चुनाव का परिणाम इस बात का प्रमाण है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और गुजरात में भी भाजपा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले चुनाव में कर चुकी है जिसका एकमात्र कारण मोदी का नेतृत्व रहा है। लेकिन इस बार अगर इन राज्यों में संयुक्त विपक्ष का उम्मीदवार खड़ा होता है तो निश्चित रूप से भाजपा के लिए 2019 की तुलना में मुकाबला कई गुना बढ़ जाता है। इसी तरह दक्षिण भारत में छह राज्य आते हैं और इनमें पांच राज्यों से लोकसभा में 129 सदस्य चुने जाते हैं। भाजपा के सामने अब लक्ष्य केवल जीत का नहीं बल्कि विपक्ष की करारी हार का भी खड़ा हो गया है। भाजपा पश्चिम बंगाल में 2014 में दो सीट के मुकाबले साल 2019 में 18 सीटों पर और उड़ीसा में एक सीट से आठ सीटों पर जीत दर्ज कर वहां के मजबूत गढ़ में दाखिल हुई थी लेकिन केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में खाली हाथ रह गई थी। अभी दावों-प्रतिदावों का दौर चल रहा है।

प्रेम के अभाव में ही होती है तकरार...

प्रेम को अक्सर केवल एक कोण से ही देखा जाता है, जबकि यह बहुआयामी होता है। अगर कोई खुद को प्रेमी कहे तो उसे सिर्फ विपरीत लिंग से संबंधित ही माना जाता है। प्रेम कभी स्नेह, तो कभी वात्सल्य, कभी करुणा या फिर आत्मीयता या अपनापन और सुख के रूप में परिलक्षित होता है। कई बार प्रेम अभिव्यक्त भी नहीं होता है, क्योंकि उसके लिए कोई शब्द ही नहीं होते हैं। मानव से ऊपर उठते है तो पाते हैं कि प्रकृति का कण-कण प्रेम की अभिव्यक्ति है। केवल एक फूल बनाकर नहीं छोड़ा, हजारों फूल और हजारों रंग, फिर अंगूर से लेकर तरबूज तक के रंग, हर आकार के फल, हजारों पेड़, पौधे और यह सब सिर्फ देने के लिए, क्योंकि यही उनके प्रेम की अभिव्यक्ति है। हमारे पास और भी विकल्प हैं कि यह पसंद, यह नहीं, यहां सुख, यहां दुख, लेकिन प्रकृति कोई विकल्प नहीं रखती है। कोई फूल यह नहीं कहता है कि आज नहीं, कल खिलूंगा/ आज नहीं, अगले साल फलूंगा। यह प्रेम ही है। अनंत और बेशर्त प्रेम है। हमें फख्र होना चाहिए कि हम ऐसे प्रेम का अभिन्न हिस्सा हैं। इसलिए कहते भी हैं कि जो बांटता है, वह प्रेम का स्वरूप ही होता है। चांद, तारे, सूरज, जिनके बगैर जीवन संभव नहीं था, वे सुबह से लेकर शाम और फिर शाम से लेकर सुबह तक, एक तरीके से हमारी आरती ही उतारते हैं। कई सहस्र धाराएं बरसात में बहकर हमारा अभिषेक कर देती हैं। थोड़े से अन्न के दाने हम धरती में डालते हैं और वह हमारे अन्न भंडार भर देती है। जो हवा हमें दिखाई नहीं देती है, वह अरबों-खरबों जीव-जंतुओं का जीवन चला रही है। दुनिया में प्रेम के बगैर एक कतरा भी नहीं चल सकता है। किसी घबराए से मरीज को डाक्टर सिर्फ प्रेम से बोल दे कि तुम्हें कुछ नहीं हुआ है, थोड़ी-सी दवा खाने से ही ठीक हो जाओगे। बस ! आधा रोग दूर हो जाता है। कोई दुखी है और कोई अन्य उसकी बात सिर्फ मन लगाकर सुन ले, तो सामने वाला हल्का हो जाता है। समाज, धर्म, जाति परिवार में भी तकरार होती है और यह सब प्रेम के अभाव में ही होता है। जहां प्रेम होता है, वहां परायापन नहीं होता है और जहां परायापन नहीं है, वहां टकराव भी नहीं होगा। निस्वार्थ प्रेम के सानिध्य को अनुभव करना महत्त्वपूर्ण है। कई बार मोह को भी प्रेम समझ लिया जाता है। धृतराष्ट्र और गांधारी का पुत्र मोह था, जिसने महाभारत रचने में अहम भूमिका अदा की। यहां पुत्र प्रेम नहीं, मोह था। मोह सापेक्ष है, जबकि प्रेम निरपेक्ष, निस्वार्थ, निश्छल। मोह और प्रेम में महीन-सा अंतर है। मोह में शर्तें जुड़ी होती हैं, बंधन जुड़ा होता है, अपेक्षाएं जुड़ी होती हैं। मोह के चलते कई बार हम अपना सर्वस्व खो देते हैं। हमें सही-गलत का भान नहीं होता है। मोह अंधा करके रखता है। प्रेम इससे पूरी तरह से उलट है। निस्वार्थ, निरपेक्ष और बेशर्त। प्रेम को कई बार कमजोर की निशानी मान लिया जाता है। जबकि प्रेम सिर्फ साहस की निशानी है। किसी को सुन लेना, दूसरे को क्षमा कर देना किसी की गलती को स्वीकार कर लेना कोई साहसी व्यक्ति या समाज ही कर सकता है। एक बोध कथा है- एक दिन एक युवक ने युवती के सामने विवाह का प्रस्ताव रखा। युवती ने कहा, मेरा विवाह मेरे पिता के मुताबिक होगा। इसलिए उनसे बात करो। अगले दिन युवक ने युवती के पिता से कहा कि अगर तुम मेरी बेटी से प्रेम करते हो तो प्रेम की कीमत चुकाओ। यह सुनकर युवक बोला कि आप जो चाहे मांग लो, मैं देने के लिए तैयार हूं। पिता बोला कि प्रेम करते हो तो प्रेम की कीमत भी तुम्हें पता होनी चाहिए। यह सुनकर वह युवक अवाक् रह गया। तभी पिता हंसते हुए बोला, पहले प्रेम की कीमत पता करके आओ, फिर मेरी बेटी का हाथ मांगना। यह सुनकर युवक घर से निकल गया और जो कोई राह में मिलता, उससे प्रेम की कीमत पूछता। भटकते-भटकते एक अजनबी के बताने पर वह एक महात्मा से मिला और बड़े जतन के बाद उसने उस महात्मा से यह प्रश्न किया कि प्रेम की कीमत क्या है। महात्मा हंसे और बोले कि जो तुम्हारी कीमत है, वही तुम्हारे प्रेम की कीमत है। युवक ने कहा कि इस शरीर के बिना मेरा अस्तित्व ही क्या है? मेरे लिए यह अमूल्य है, मैं इसे नहीं बेच सकता। तब हंसते हुए महात्मा बोले कि यही तुम्हारे प्रश्न का उत्तर है। प्रेम भी अमूल्य है। प्रेम का कोई सौदा नहीं किया जा सकता। युवक को उसका जवाब मिल चुका था। खुशी-खुशी वह युवती के घर गया और उसके पिता को प्रेम की कीमत बताई और प्रेम की कीमत चुकाने के अपने घमंड के लिए क्षमा मांगी। मगर कहा कि प्रेम में मैं खुद को चुकाने के लिए तैयार हूं। पिता को युवक के सच्चे प्रेम पर विश्वास हो गया। ऐसा कहते हैं कि ईश्वर को जानने के लिए प्रेम में डूबना अनिवार्य है। ऐसा इसलिए होना चाहिए कि प्रकृति ने हमें अत्यंत सुंदर, परिष्कृत और कोमल बनाया है। चेतना की अत्यंत कोमल अनुभूति मात्र से हम समष्टि के साथ एकाकार होने का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

लाइब्रेरी में सेंधमारी से झलकी साइबर युद्ध की भयावहता

किताबों की चोरी पुस्तकालयों के लिए कोई नई बात नहीं है। आप किसी भी लाइब्रेरियन से मिलें, वह इसके बहुत से किस्से सुना देगा। पुस्तकालयों के सदस्य और पाठक मौका मिलते ही अपनी पसंदीदा किताब को पार कर लेते हैं। ऐसी चोरियां अक्सर फुटकर स्तर होती हैं और पुस्तकालय की पूरी संपदा पर होने वाला उनका नुकसान बहुत बड़ा नहीं होता। ऐसा नहीं होता कि चोर बड़ी संख्या में आएं और ढेर सारी किताबें उठाकर ले जाएं। इतिहास में पुस्तकालय को जला देने का जिक्र तो कई बार आता है, पर उन्हें लूट ले जाने का जिक्र शायद ही कभी आया हो। दरअसल, किताबों में जो ज्ञान पाया जाता है, वह लुटेरों के किसी काम का नहीं होता। इसीलिए दुनिया के विशाल, भव्य और ऐतिहासिक पुस्तकालयों में भी बहुत ज्यादा सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत नहीं महसूस की जाती। इसीलिए लंदन की ब्रिटिश लाइब्रेरी में पिछले दिनों हुई सेंधमारी बहुत चौंकाती है। यह दुनिया का सबसे बड़ा पुस्तकालय न भी हो, तब भी सबसे महत्वपूर्ण पुस्तकालय तो है ही। यह उस देश का पुस्तकालय है, जिसने कभी दुनिया के बड़े हिस्से पर राज किया था और किताबों के अलावा उस दौर के करोड़ों दस्तावेज इसमें सहेजे गए हैं। अनुमान है, इसकी किताबों व दस्तावेजों की कुल संख्या 20 करोड़ के आस-पास होगी। यह पुस्तकालय उस ब्रिटिश संग्रहालय का हिस्सा है, जिसकी स्थापना सन् 1753 में हुई थी। तब से दुनिया भर के शोधार्थियों की यह पसंदीदा जगह है। 19वीं सदी के लगभग एक ही दौर में दो प्रसिद्ध विचारकों ने यहीं बैठकर अध्ययन किया था और दुनिया को दो अनमोल ग्रंथ दिए थे। एक थे कार्ल मार्क्स, जिन्होंने यहीं बैठकर दास कैपिटल की तैयारी की थी। दूसरे थे दादा भाई नौरोजी, जिन्होंने यहीं पर बैठकर किताब पोवर्टी ऐंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया लिखी थी। ये दोनों किताबें आधुनिक दौर में आर्थिक शोषण के दो पक्षों को उजागर करती हैं। ब्रिटिश लाइब्रेरी की इस महिमा से अलग हम बात कर रहे थे चोरी की। कुछ समय पहले 'रायसिदा' नामक एक साइबर गिरोह ने इस लाइब्रेरी के वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क में सेंध लगा दी, यानी आईटी की भाषा में कहें, तो उसे हैक कर लिया। पुस्तकालय के कंप्यूटर सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया। रायसिदा की ओर से मांग की गई कि अगर छह लाख पौंड के बिटक्वाइन उनके हवाले कर दिए गए, तो वह सिस्टम को बहाल कर देगा, वरना लाइब्रेरी का 600 गिगा बाइट डाटा या करीब पांच लाख फाइलें इंटरनेट के बदनाम तहखाने डार्क वेब में पहुंचा दी जाएंगी, जहां से कोई भी उन्हें डाउनलोड कर सकेगा।लाइब्रेरी के महत्व को देखते हुए छह लाख पौंड की यह रकम बड़ी नहीं थी। निजी कंपनियां तो चुपचाप ऐसे हैकर्स को रकम देकर छुटकारा पा लेती हैं। मगर ब्रिटिश लाइब्रेरी जैसे सरकारी संस्थान के लिए यह आसान नहीं था। उसने फिरौती देने से इनकार कर दिया और उसका बहुत सा डाटा काले कारोबार की दुनिया के हवाले हो गया। सेंधमारी की इस घटना को तीन महीने बीत चुके हैं और अभी भी पुस्तकालय का सारा कामकाज पहले की तरह सामान्य नहीं हो पाया है। बहरहाल, ब्रिटिश लाइब्रेरी में जो हुआ, वह साइबर अपराध का मामला तो है ही, साथ ही हम इससे यह अंदाज लगा सकते हैं कि रक्षा विशेषज्ञ जिस साइबर युद्ध की आशंका जता रहे हैं, उसका स्वरूप कैसा हो सकता है। सैनिक बुनियादी ढांचे को तहस-नहस करके ठप्प किया जाता था। पर अब यह काम एक साइबर हमले से हो सकता है और आपकी किसी भी व्यवस्था का कंप्यूटर नेटवर्क में सेंध लगाकर ही ठप्प किया जा सकता है। जिस तरह से एक लाइब्रेरी को ठप्प किया गया, वैसा ही निशाना किसी शहर की बिजली व्यवस्था, जल आपूर्ति व्यवस्था या यातायात व्यवस्था पर भी साधा जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5147

3	2		8		5		7	
		7						3
	1	5	7					
		2					3	1
	4		3	9	1		5	
1	5					8		
					7	3	4	
8						9		
	3		1		4		6	7

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5146

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 5147

संकेत: बाएं से दाएं

1. 11 अगस्त 1908 को इस महान क्रांतिकारी फांसी दी गई (7)
7. दमन करने वाला (5)
8. अंतरिक्ष, आकाश, आसमान (2)
9. [illegible] (3)
11. पार्श्व, पहलू, पक्ष (3)
12. जल, आब, नीर, पानी (2)
13. विवाह के समय होने वाली एक रस्म, शशि कपूर-आशा पारेख अभिनीत एक फिल्म (1968)(4)
15. स्वभाव, लत, व्यसन (3)
16. निर्णीत, फैसला किया हुआ, ठहराया हुआ (2)
17. तौल की एक सूक्ष्म इकाई जो आठ रत्ती के बराबर होती है (2)
18. विलक्षण वस्तु या करतब, चमत्कार, पराकाष्ठा (3)
20. गढ़वाली शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (सिर्फ नाम)(3)
21. करने वाला, रचने वाला, साधक (2)
22. पर्याप्त, आवश्यकता से अधिक, अत्यधिक ज्यादा (3)

ऊपर से नीचे

1. स्वर्ग, आग (2)
2. एक प्रकार का कीट जो कागज आदि को हानि पहुंचाता है (3)
3. जांघ, जांघ (2)
4. चक्राकार संदूक यह कहलाती है (5)
5. बातचीत, वार्तालाप (4)
6. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध धार्मिक कृति (8)
10. बल, शक्ति, पौरुष (3)
11. जो भाग्य में लिखा हुआ हो (2)
12. अभियोग, तर्क, दार्शनिक प्रणाली (2)
14. न्यायाधीश, जज, न्याय करने वाला (4)
15. प्रत्याशातीत, कल्पनातीत, स्वप्नातीत, अकल्पनीय (4)
19. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5146 का हल

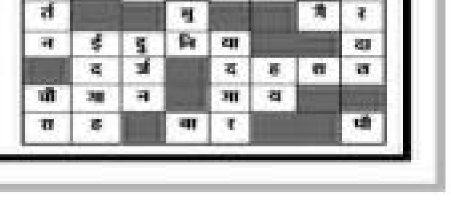

जिले में घोड़ारोज से किसानों की फसलों को भारी क्षति-विधायक जैन

विधायक ने किसानों की पीड़ा विधानसभा में रखी, शासन मुआवजा प्रक्रिया का सरलीकरण कर प्रचार-प्रसार करे

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा सत्र के दौरान बुधवार जनप्रिय क्षेत्रीय विधायक श्री विधायक विपिन जैन ने लंबे समय से क्षेत्र एवं जिले के अन्नदाता किसानो की बडी पीडा को विधानसभा पटल पर रखी। नीलगाय अर्थात घोडा रोज के कारण किसानो को हो रही क्षर्ति के साथ ही अनेक बार जनहानि के रूप में होने वाली दुर्घटनाओ के संदर्भ में वन मंत्री के समक्ष किसानो को राहत के लिये मौजुदा प्रावधानो पर तारांकित प्रश्न क्रमांक 1611 के माध्यम से जानकारी मांगी।

विधायक श्री जैन द्वारा मंदसौर विधानसभा के साथ ही जिले में घोडारोज एवं जंगली सुअरो के कारण होने वाली फसलो की नुकसानी को गंभीर बताया। श्री जैन द्वारा विधानसभा से प्रेषित प्रश्न के जवाब में वन मंत्री श्री नगर सिंह चैहान द्वारा बताया गया है कि घोड़ारोज और जंगली सूअरो से फसलों को हो रहे नुकसान की क्षतिपूर्ति भुगतान करने का प्रावधान है। राज्य सरकार द्वारा फसल हानि करने वाली वाले घोड़ारोज को खेत मे हीं मारने की अनुमति हेतु तहसील स्तर पर एसडीएम को अधिकृत किया गया है जानकारी में कहा गया है कि निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर इसे मारने की अनुमति एवं इनसे होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्ति राशि का दावा किया जा सकता है। क्षतिपूर्ति हेतु समय सीमा 30 कार्य दिवस निर्धारित की गई है। तहसील स्तर पर 30 हजार रु, अनुविभागीय स्तर पर 50 हजार रु और कलेक्टर स्तर पर 2 लाख रु तक के प्रकरण स्वीकृत किये जा सकते हैं।

मुआवजा प्रक्रिया को सरल कर व्यापक प्रचार-प्रसार हो–वन मंत्री श्री नगर सिंह चौहान द्वारा दिये गये जवाब के प्रति उत्तर में विधायक श्री जैन द्वारा विभागीय रूप से प्राप्त आंकडो का हवाला देते हुये कहा कि प्रतिदिन क्षेत्र के किसानो की फसले नीलगायो अर्थात घोडारोज, जंगली सुअर नष्ट करने की जानकारी मिलती है लेकिन पिछले दस सालो में मात्र 20 प्रकरण में सिर्फ 25 लाख की सहायता राशि के प्रकरण स्वीकृत हुये है। यह स्थिति साफ करती है कि किसानो को मुआवजा प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी नही है। विधायक श्री जैन ने जंगली जानवरो द्वारा फसल नष्टीकरण के मामले में मुआवजा प्रक्रिया को सरल कर इसके व्यापक प्रचार-प्रसार करने की जरूरत बतायी। उन्होने पटवारी के माध्यम से मुआवजा प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु विशेष जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही किसानो से जुडे अन्य विभागो को इस अभियान में जोडने का सुझाव दिया।

जल जीवन मिशन के तहत विद्यालयों में हुए निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन- विधायक

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा क्षेत्र मंदसौर अंतर्गत जल जीवन मिशन के तहत कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की जानकारी के संबंध में क्षेत्र के जनप्रिय विधायक श्री विपिन जैन ने निर्मित कार्यों की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगाते हुये स्वीकृत कार्यो को समय सीमा में पूर्ण करने की मांग की। विधायक श्री जैन द्वारा तारांकिक प्रश्न के जवाब में विभागीय मंत्री श्रीमती संपतिया उइके द्वारा बताया गया की के गांधी सागर 2 नीमच समूह जलप्रदाय योजना अंतर्गत मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के 143 गांव लाभान्वित होंगे और इनमें जलप्रदाय कार्यों की पूर्णता तिथि 27 दिसंबर 2024 बताई गई है वहीं जल जीवन मिशन अंतर्गत मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के 234 विद्यालयों में पेयजल स्टैंड एवं टंकी निर्माण विभाग द्वारा करवाया गया है।

विधायक श्री विपिन जैन ने विभागीय मंत्री द्वारा प्रस्तुत जवाब के प्रति उत्तर में उनके विधानसभा क्षेत्र मंदसौर में जल जीवन मिशन के तहत हुये निर्माण कार्यो के संबंध में प्राप्त शिकायतो को विधानसभा पटल पर रखते हुये कहा कि छात्र-छात्राओं को पेयजल उपलब्धता करने के लिए जो निर्माण कार्य किए गए हैं उनमें से अधिकांशत विद्यालयों में गुणवत्ताहीन कार्य किया गया है और पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा है। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 174 आंगनबाड़ी केन्द्रो पर भी पेयजल उपलब्धता के लिए कार्य किया गया है वह भी संतोषजनक नहीं है। उन्होनें ग्राम पंचायतो द्वारा की गयी शिकायतो का हवाला देते हुये कहा कि करोडो रुपए की लागत से होने वाले पेयजल निर्माण कार्यों मैं कॉफी शिकायत ग्राम स्तर से प्राप्त हो रही है इस पर मामले में आवश्यक जांच की जाना चाहिये।

अनेक पंचायतो मे कार्य आज दिन तक पूर्ण नही–विधायक श्री जैन द्वारा उनके विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत दमदम, सगवाली, अमलावदा रिछा लालमुहा मैं कार्य पूर्ण अनुबंध अनुसार समय सीमा मे नही नही होने का मामला भी उठाते हुये कहा कि यह कार्य मार्च 2023 में किया जाना था परंतु समय सीमा बीत जाने के बावजूद भी कार्य नहीं किया गया है विभाग द्वारा बताया गया है कि उक्त कार्य हेतु अनुबंधीत ठेकेदार की मृत्यु होने के कारण कार्य पूर्ण होने की समय सीमा नहीं बताई जा सकती लेकिन शेष बचे कार्य को तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कर पुरा किया जाये।

जिंदगी को हां और नशे को ना कहे- प्राचार्य यादव

नीमच, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नीमच सामाजिक नवांकुर संस्था चाइल्ड रिलीफ मिशन फाउण्डेशन द्वारा उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नोडल अधिकारी जिला समन्वयक जन अभियान परिषद श्री वीरेन्द्रं सिंह ठाकुर एवं संस्था संरक्षक डॉ.संजय जोशी के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत दूरदरसी के ग्राम अमावली महल के शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय में संस्था अध्यक्ष अनूपसिंह चौधरी द्वारा विद्यार्थियों के लिए नशमुक्ति पर चर्चा की गई एवं सभी बच्चों को संकल्प दिलाया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती ममता यादव ने कहा कि जिंदगी को हां और नशे को ना कहें! शिक्षक श्री विनोद शर्मा, श्री विजय सिंह राजावत श्रीमती ज्योति राठौड़, श्रीमती खुशबू लोधा ने भी बच्चो को नशा एवं नशे से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में बताया। यह जानकारी संस्था के उपाध्यक्ष किशोर बागड़ी द्वारा दी गई।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की जिला कार्यकारणी घोषित

प्रदीप जैन जिलाध्यक्ष तो चेनसिंह सोलंकी महासचिव बने

सिंगोली, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश मे पत्रकारो के सबसे बडे रजिस्टर्ड संगठन मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जो ट्रेड यूनियन के तहत रजिस्टर्ड है के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया, वरिष्ठमुख्य कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शरद जोशी, संभाग अध्यक्ष राजेंद्र राठौर की अनुशंसा पर प्रदेश महासचिव सुनिल त्रिपाठी ने गुरुवार को नीमच जिला इकाई कार्यकारणी की विधिवत घोषणा की जिसमे संगठन के प्रति सतत सक्रिय रहने वाले प्रदीप जैन को प्रदेश नेतृत्व ने आठवीं बार जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। ज्ञात रहे जैन के जिलाध्यक्ष बनने के बाद से नीमच जिले मे मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की सक्रियता निरन्तर बनी हुई है। ओर यही कारण है की प्रदेश नेतृत्व ने जैन की सक्रियता से प्रभावित होकर इस वर्ष भी जिलाध्यक्ष का दायित्व जैन को दिया है। प्रदेश नेतृत्व द्वारा घोषित जिला कार्यकारणी निम्नानुसार है।

अध्यक्ष प्रदीप जैन, उपाध्यक्ष राजेश कोठारी सिंगोली, सतीश खाबिया कुकड़ेश्वर, राकेश सोन नीमच, किशन अहिरवार जीरन, मुकेश राठौर रामपुरा, सतीश व्यास डिकेन, महासचिव चैनसिंह सोलंकी, कोषाध्यक्ष एम डी मंसुरी झांतला, सचिव संजय व्यास मनासा, मेहबूब मेव सिंगोली, युगल बैरागी नीमच, लोकेश पालीवाल जीरन, कमलेश मालवीय रामपुरा, राजकुमार जैन मोरवन, सयुंक्त सचिव डाक्टर बबलु चौधरी भाटखेड़ी, रूपेश सारू रामपुरा, राकेश पुरोहित नयागांव, कौशल व्यास सिंगोली, नरेन्द्र लोढा नीमच, अवधकिशोर शर्मा जीरन, कार्यकारणी सदस्य के रूप मे निरंजन शर्मा सिंगोली, दिनेश अहिर मोरवन, प्रभुलाल सिहार बर्डिया, कोमलदास बैरागी खोर, अशोक व्यास डिकेन, सत्यनारायण सुतार जाट को मनोनीत किया है। जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन ने सभी नव नियुक्त जिला पदाधिकारियो को बधाई देते हुए संगठन के लिए सक्रियता के साथ काम करने की बात कही।

संगीत महाविद्यालय में तबला वादन पर कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय मंदसौर द्वारा एक दिवसीय तबला वादन कार्यशाला तबलावादन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध तबला वादक श्री राकेश घुगरे उज्जैन उपस्थित रहे। श्री घुगरे ने कहा कि भारतीय संगीत में तबला एक लोकप्रिय वाद्य के रूप में प्रतिष्ठित है। तबला वादन एक साधना है ।

श्री राकेश घुगरे का संगीत महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेन्द्र त्रिवेदी, व प्राचार्य डॉ. उषा अग्रवाल ने स्वागत किया। कार्यशाला संयोजक श्री निशांत शर्मा ने जानकारी दी कि कार्यशाला का आयोजन दो सत्रों में हुआ। राकेश घुगर ने कार्यशाला में तबला वादन विषय के अंतर्गत तीन ताल में कई कायदे, झप ताल में कायदा, पलटे, तिहाई तथा अन्य बोल, टुकडे, गत, परन आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया। श्री घुगरे ने विद्यार्थियों के सीखने समझने की क्षमता एवं समर्पण की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में आभार श्री दीपक कुमार राव ने माना।

गायत्री शक्तिपीठ पर बसंत पंचमी पर्व मनाया

नीमच, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गायत्री शक्तिपीठ नीमच पर बसंत पंचमी महोत्सव की पावन श्रृंखला में आयोजित यज्ञ में विभिन्न वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ आहुतियां देकर विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना की गई। कार्यक्रम की श्रृंखला में आरती प्रार्थना स्वाध्याय के विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। सुबह 7 बजे दीप यज्ञ में ओम सरस्वती देवीय नम: मंत्र का उच्चारण पूजा अर्चना की गई। सभी ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ के वरिष्ठ प्रभुलाल धाकड ने कहा कि आधुनिक युग के कल्याण के लिए महामानव की आवश्यकता है और महा मानव बनने के लिए परिवार में धार्मिक संस्कारों की आवश्यकता है यह युग परिवर्तन का योग है इसमें देव आत्माएं जन्म लेगी। संस्कार कर्म होते हैं साधना से जीवन का कल्याण होता है। आत्मा भगवान का प्रतिनिधि अंश है। इस अवसर पर देश की सीमा पर देश सेवा कर रहे सैनिकों और देश विकास के कार्य में कार्य कर रहे अधिकारियों कर्मचारीयों देश के विकास में लगे समस्त देशवासियों के कल्याण के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ अलीगढ के सेवक प्रचारक रणजीत सिंह राघव ने कहा कि विचार क्रांति से युग परिवर्तन हो सकता है इसीलिए विचार क्रांति के लिए प्रतिदिन 2 घंटा विचारों का प्रसारण प्रचार प्रसार का संकल्प लिया है इसमें मुस्लिम समाज जनों ने भी सहयोग किया है। इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ परिवार की ओर से रणजीत सिंह राघव का शाल श्रीफल पुस्तक प्रदान कर सम्मान किया गया। धार्मिक अनुष्ठान यज्ञ में वरिष्ठ गायत्री शक्तिपीठ कार्यकर्ता प्रभु लाल धाकड, दीपक अहीर ,भगवान दिन प्रजापति, सत्य चतुर्वेदी कृष्ण गोपाल बाल्दी सहित बडी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।उल्लेखनीय की गायत्री शक्तिपीठ परिवार पर यज्ञशाला में प्रतिदिन 16 संस्कारों के संस्कार यज्ञ के साथ आयोजित किए जाते हैं। जिसमें जन्मदिन, ज्ञान, वैवाहिक परिणय दिवस, सहित 16 ही संस्कारों को यज्ञ के साथ आयोजित करवाया जाता है। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर शौर्य यात्रा एवं चल समारोह 19 को

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। क्षत्रिय मराठा समाज द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के उपलक्ष में दिनांक 19.2.2024 सोमवार को विश्वपति शिवालय गांधी चौराहा से प्रात: 9:30 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज की तस्वीर को बग्गी द्वारा ढोल नगाड़ों के साथ चल समारोह निकाला जावेगा जो बीपीएल चौराहा से होते हुए संजय गांधी उद्यान पर चल समारोह का समापन रहेगा जहां पर छत्रपति शिवाजी महाराज पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम को धूमधाम से मनाया जाएगा श्र अत: समाजजनों से निवेदन है कि समय पर पधार कर चल समारोह को भव्य रूप देकर कार्यक्रम को सफल बनावे।

प्रदेश में मार्च से शुरू होगा जल-हठ अभियान, तालाबों का होगा जीर्णोद्धार

नीमच, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में जल संसाधन विभाग द्वारा जल संरक्षण, जल संवर्धन और वर्षा जल की उपयोगिता को बढ़ावा देने के लिए जल हठ अभियान की शुरुआत की जाएगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री के विधानसभा कक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने संयुक्त रूप से बैठक में प्रदेश की जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार और जल क्षमता को बढ़ाने के लिए चर्चा की।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन अनुसार प्रदेश में प्राकृतिक संतुलन और पर्यावरण संरक्षण के लिए जल संचयन के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। प्रदेश में पंचायत स्तर पर स्थित 10 हेक्टेयर क्षेत्रफल से छोटे तालाबों में वर्षा का जल रोकने, जल भराव के क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त करने और उनके चारों ओर की मेढ़ को व्यवस्थित करने के लिए जन अभियान चलाया जाएगा। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि जल हठ अभियान को आंदोलन के रूप में चलाने के लिए जन भागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। जल हठ अभियान को प्रभावी रूप से देने के लिए प्रथम चरण में प्रदेश के 200 से 250 तालाबों को उनके पुरातन स्वरूप में लाया जायेगा। मंत्री श्री सिलावट ने कहा की हमारी ऐतिहासिक विरासत में चोल, गोंड, संस्कृति में जल परिवहन और जल संरचनाओं को सबसे व्यवस्थित माना गया है जो आज भी हमारे लिए आदर्श है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जल हठ अभियान को धरातल पर उतारने के लिए माइक्रो-प्लानिग के साथ काम किया जायेगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग इसके लिए एक मॉडल विकसित करेगा, जिसमें मनरेगा से बजट का प्रावधान कर अभियान की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिले के तालाबों को चिन्हित कर व्यवस्थित करने के लिए विशेष कार्य योजना बनाई जाएगी और बजट प्रावधान के साथ धरातल पर कार्य रूप में परिणित किया जाएगा। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश स्तर पर इसके लिए रणनीतिक रूप से एक मॉड्ल बनाया जाएगा और ए.बी.सी. ग्रेडिंग कर तालाबों के गहरीकरण, पेचिंग, बंधान और पौधारोपण के काम की शुरुआत की जाएगी।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि तालाबों पर अतिक्रमण को हटाने के लिए जिलों के राजस्व अमले को निर्देश किये जायेंगे। राजस्व विभाग द्वारा इन सभी तालाबों का सीमांकन किया जाएगा और जल भराव वाले क्षेत्रों को अंकित कर उनको अतिक्रमण मुक्त करने का कार्ययोजना वृहद रूप से किया जायेगा। बैठक में सहमति जताई कि प्रथम चरण में प्रदेश के 250 तालाबों की जल संवर्धन तथा जल संरक्षण कार्य योजना अनुसार 30 जून तक पूर्ण कर लिया जाये। बैठक में जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा ने कहा कि जल संसाधन विभाग इसमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए प्लांटेशन के काम को भी करेगा। साथ ही ऐसे तालाबों को भी संरक्षित करने का कार्य किया जाएगा, जिससे आस-पास की आबादी को पेयजल और भू-जल स्तर को बढ़ाया जा सके। प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में वर्षा की असामान्य स्थिति को देखते हुए वर्षा के जल को रोकना और उसका बेहतर उपयोग बहुत जरूरी है, जल हठ अभियान इसमें एक मील का पत्थर साबित होगा। बैठक में प्रमुख सचिव, ग्रामीण विकास श्री विवेक पोरवाल, प्रमुख सचिव राजस्व श्री निकुंज श्रीवास्तव, जल संसाधन के ईएनसी श्री शिशिर कुशवाह, और विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

एप बताएगा शहर में ईवी चार्जिंग प्वाइंट कहां हैं, लाइव पोर्टल से रखी जाएगी इलेक्ट्रिक वाहनों पर नजर

भोपाल, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राज्य सरकार ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) पालिसी बना रही है। इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग, आइटी विभाग की मदद से मोबाइल एप बनवा रहा है। एप की मदद से शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग प्वाइंट का पता लगाया जा सकेगा, मोबाइल में एप इंस्टाल करने के बाद संबंधित शहर का विकल्प चयन कर शहर में चार्जिंग प्वाइंट की लोकेशन पता की जा सकेगी।

इसके अलावा ईवी वाहन के लिए लाइव पोर्टल भी बनाया जाएगा। इसमें पता चल सकेगा कि कितने ईलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत है। वहीं पीपीपी मोड पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। चार्जिंग स्टेशन के साथ-साथ बेटरी स्वैपिंग के लिए केपिटल सब्सिडी दी जाएगी।

मंत्री की अध्यक्षता में बनाई जाएगी समिति–ईवी पालिसी के क्रियान्वयन के लिए एक समिति भी बनाई जाएगी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में एक समिति गठित होगी। पालिसी में इसका भी प्रविधान किया जा रहा है। समिति में सदस्य सचिव नगरीय प्रशासन आयुक्त भरत यादव रहेंगे और परिवहन आयुक्त सदस्य रहेंगे।

ईवी वाहन क्रय करने पर 15 से 20 प्रतिशत अनुदान देने की तैयारी– मध्य प्रदेश में नई पालिसी में अलग-अलग वर्ग के इलेक्ट्रिक वाहन क्रय करने पर अनुदान देने का भी प्रविधान किया जा रहा है। ईवी वाहन के क्रय किए जाने पर 15 से 20 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा सकेगा। साथ ही सरकारी वाहनों क्रय करने में पहली प्राथमिकता इलेक्ट्रिक वाहनों को दी जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहन के लिए पालिसी बनाई जा रही है। इनसे बेहतर क्रियान्वयन के लिए आइटी विभाग की मदद से मोबाइल एप और लाइव पोर्टल भी बनवाया जा रहा है। - भरत यादव, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास

विश्वकर्मा जन्मोत्सव का प्रतियोगिताओं के साथ शंखनाद 21को

नीमच, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जांगिड़ ब्राह्मण समाज जवाहर नगर नीमच के तत्वाधान में सृष्टिके रचयिता भगवान विश्वकर्मा का 47 वां जन्म महोत्सव विभिन्न सामाजिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 21 फरवरी को दोपहर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलन से समाज पदाधिकारियों द्वारा किया जायेगा। दोपहर 12.30बजे खेल प्रतियोगिता तथा 2बजे महिला एवं बालिकाओं की खेलकूद प्रतियोगिताएं 4 बजे फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, दोपहर 2:30 से शाम 6बजे तक भजन कीर्तन का आयोजन आयोजित किया जाएगा। महिलाओं द्वारा श्री विश्वकर्मा जी के भजन सहित विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विश्वकर्मा कथा के पश्चात रात्रि 8:30 भजन संध्या आयोजित की जाएगी।

विजेता उपविजेता को पुरस्कार 22 फरवरी शाम को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। जांगिड ब्राह्मण समाज नीमच अध्यक्ष सुरेश शर्मा, महामंत्री प्रवीण शर्मा, कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा ने बताया कि 22फरवरी को सुबह 9 बजे हवन एवं गणपति पूजन , दोपहर 12:30 शोभा यात्रा का जांगिड़ ब्राह्मण समाज की जवाहर नगर स्थित धर्मशाला से विश्वकर्मा मंदिर में पूजा अर्चना के बाद शुभारंभ होगा। शाम4 पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह रात्रि 8:30 बजे आरती के बाद प्रसाद वितरण होगा। जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान, विधायक दिलीप सिंह परिहार, नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति गोरव चोपड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष पवन पाटीदार, कांग्रेस जिला अध्यक्ष अनिल चौरसिया, जिला पंचायत सदस्य तरुण बाहेती ,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश पप्पू जैन, अतिथि होंगे। शोभायात्रा में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा को आकर्षक फूलों से श्रृंगार किया जाएगा। शोभायात्रा घंटाघर विवेक पथ कमल चौक गायत्री मंदिर विश्वकर्मा सर्कल होते हुए पुन: जांगिड़ ब्राह्मण समाज के जवाहर नगर स्थित धर्मशाला पहुंचेगी। जहां आरती के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा। शोभा यात्रा का कार्यक्रम पुरस्कार वितरण समारोह में परिवर्तित होगा ।समाज के अध्ययन में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त प्रथम एवं द्वितीय को पुरस्कृत किया जाएगा।जन्म महोत्सव के अवसर पर भगवान श्री विश्वकर्मा जी की शोभायात्रा में पुरुष श्वेत परिधानों में सपरिवार तथा महिलाएं लाल पीली साड़ी चुनरी में सहभागी बनेगी। विश्वकर्मा जन्म महोत्सव के पावन उपलक्ष्य मेंसभी समाज बंधु अपने-अपने प्रतिष्ठान का अवकाश रखेंगे।

आबकारी विभाग ने की कार्यवाही, मदिरा जप्त

नीमच, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब निर्माण व अवैध शराब के परिवहन के विरुद्ध जिला आबकारी अधिकारी श्री आर.एन.व्यास के मार्गदर्शन में विशेष अभियान में नयागांव चैनपुरा रोड पर गश्त के दौरान एक मोटरसाइकिल सवार को रोक कर तलाशी लेने पर मोटरसाइकिल पर दो विमल के झोलों में कुल 315 पाव (प्रत्येक में 180 मि.ली. शराब) कुल 56.7 बल्क लीटर लॉयन देशी शराब फॉर सेल इन राजस्थान ओन्ली शराब का बाजार मूल्य रु 30000/- का अवैध परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया जाकर, धारा 34(1) एवं 34(2) में प्रकरण पंजीबद्ध किया। इस कार्यवाही में आबकारी उप निरीक्षक श्री आर.एस.गरवाल एवं आबकारी आरक्षकों का योगदान रहा।

12वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 7 हजार 800 विद्यार्थियों को मिली स्कूटी

नीमच, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए नि:शुल्क ई-स्कूटी देने की योजना शुरू की गई है। योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। पिछले शैक्षणिक सत्र 2022-23 में इस योजना का लाभ प्रदेश के 7 हजार 800 विद्यार्थियों को दिया गया। इन विद्यार्थियों को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा ई-स्कूटी प्रदान की गई। पुरस्कृत विद्यार्थियों ने नियमित परीक्षार्थी के रूप में अपनी शाला में कक्षा 12वीं की परीक्षा में समस्त संकाय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये हैं। योजना में लाभ प्राप्त करने वाले चयनित विद्यार्थी को नि:शुल्क ई-स्कूटी के लिए अधिकतम 90 हजार रूपये की राशि प्रदान की गई है।

2.50 लाख विद्यार्थियों को दिलाई गई व्यवसायिक शिक्षा– स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा देने के लिए व्यवसायिक शिक्षा देने की योजना शुरू की है। पिछले शिक्षा सत्र में प्रदेश ने 1540 स्कूल में 12 ट्रेड में करीब 2 लाख 56 हजार विद्यार्थियों को व्यवसायिक शिक्षा दिलाई गई। विद्यार्थियों को एग्रीकल्चर, अपेरल, ऑटोमोटिव, ब्यूटी एण्ड वेलनेस, बैकिंग एण्ड फायनेंस सर्विसेस, इलेक्ट्रिकल्स एण्ड हार्डवेयर, मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट, आईटी विद्या में नि:शुल्क व्यवसायिक प्रशिक्षण दिलाया गया।

पर्यावरण शिक्षण अंतर्गत मेगा फूड फेस्टिवल सम्पन्न

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा. उमा गगरानी ने जानकारी दी कि महाविद्यालय में संचालित ईको क्लब के अंतर्गत पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) पर्यावरण विभाग म.प्र.शासन भोपाल द्वारा प्रायोजित पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मेगा फुड फेस्टिवल का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत महाविद्यालय की 16 छात्राओं ने मिलेटस के विभिन्न प्रकार के मीठे एवं नमकीन व्यजंन बनाये। इस फेस्टिवल की विशेष बात यह रही कि मिलेटस (मोटे अनाज) से बने केक, कटलेट, चाट, खीर, सेव, लडडु, बर्फी, चिल्ले इत्यादि व्यंजन बनाये गये जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। निर्णायक के रूप में डा.प्रेरणा मित्रा एवं सुश्री भारती सोनी उपस्थित थी। डा. मित्रा ने बताया कि मिलेटस से बने इतने अधिक स्वादिष्टव्यंजनों की उपलब्धता हो तो स्वाद के साथ शरीर भी स्वस्थ रहेगा। छात्राओं ने प्रत्येक व्यजंन के साथ व्यजंन में प्रयुक्त किये जाने वाले मिलेटस के वानस्पतिक नाम के साथ ही व्यजंन की पोषण संबंधी विस्तृत जानकारी भी साझा की। उपरोक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान साक्षी चन्द्रावत, द्वितीय स्थान पार्वती माली एवं तृतीय स्थान अनुष्का जैन एवं अनम बी ने प्राप्त किये। कार्यक्रम में महाविद्यालयीन स्टाफ के साथ महाविद्यालय की अन्य छात्राओं ने भी मेगा फुड फेस्टिवल में सहभागिता कर सफल बनाया।

अयोध्या में श्री राम मंदिर सनातनियों के लिए राष्ट्र मंदिर का स्वरूप...

यह भारतीय सनातन संस्कृति की पहचान भी

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर विश्व भर के सनातनियों के लिए राष्ट्र मंदिर है। भगवान श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। पूरे विश्व में भारतीय नागरिकों को प्रभु श्रीराम के वंशज के रूप में जानते है। पूरे विश्व में हर भारतीय की यही पहचान है। लगभग हर भारतीय न केवल वसुधैव कुटुंबकम अर्थात इस धरा पर निवास करने वाला प्रत्येक प्राणी हमारा परिवार है के सिद्धांत में विश्वास करता है बल्कि हर भारतीय अपने धर्म सम्बंधी मर्यादाओं का पालन करते हुए दिखाई दे रहा है। संपूर्ण विश्व के लिए भगवान श्रीराम धर्म एवं मर्यादाओं में मूर्तिमंत स्वरूप हैं इस प्रकार वे भारत की आत्मा है। विशेष रूप से आज जब पूरे विश्व में आतंकवाद अपने पैर पसार रहा है एवं जब विकसित देशों में भौतिकवादी विकास सम्बंधी मॉडल के दुष्परिणाम, लगातार बढ़ रही मानसिक बीमारियों के रूप में दिखाई देने लगे हैं, ऐसे में पूरा विश्व ही आज भारत की तरफ आशा भरी नजरों से देख रहा है कि ऐसे माहौल में केवल भारतीय सनातन संस्कृति ही विश्व को आतंकवाद से मुक्ति दिलाने में सहायक होगी एवं भारतीय आध्यात्मवाद के सहारे मानसिक बीमारियों से मुक्ति भी सम्भव है। इसी कारण से आज विशेष रूप से कई विकसित देशों की ऐसी कई महान हस्तियां हैं जो भारतीय सनातन धर्म की ओर रुचि लेकर, इसे अपनाने की ओर लगातार आगे बढ़ रही हैं।

भारत में सनातन धर्म का गौरवशाली इतिहास पूरे विश्व में सबसे प्राचीन है। प्राचीन एवं महान सनातन धर्म के इतिहास पर नजर डालते हैं तो हिन्दू सनातन संस्कृति एवं सनातन वैदिक ज्ञान वैश्विक आधुनिक विज्ञान का आधार रहा है। इसे कई उदाहरणों के माध्यम से, हिन्दू मान्यताओं एवं धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, समय समय पर सिद्ध किया जा चुका है। सनातन वैदिक ज्ञान इतना विकसित था, जिसके मूल का उपयोग कर आज के आधुनिक विज्ञान के नाम पर पश्चिमी देशों द्वारा वैश्विक स्तर पर फैलाया गया है। दरअसल, सैकड़ों सालों के आक्रमणों और गुलामी ने हमें सिर्फ राजनीतिक रूप से ही गुलाम नहीं बनाया गया था बल्कि मानसिक रूप से भी हम गुलामी की जंजीरों में जकड़े गए थे। अंग्रेजों के शासन ने हमें हमारी ही संस्कृति के प्रति हीन भावना से भर दिया था जबकि हमारे ही ज्ञान का प्रयोग कर वे संसार भर में विजयी होते रहे और नाम कमाते रहे। अब जरूरत है कि हम अपनी इस सांस्कृतिक धरोहर को जाने और इस पर गर्व करना भी सीखें।

विद्यालयों में विद्यार्थियों को प्रभु श्री राम का जीवन दर्शन अवश्य पढ़ाना चाहिए। श्रीराम 14 वर्षों तक नंगे पैर वन-वन घूमें। समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। उन्होंने वंचित, उपेक्षित समझे जाने वाले लोगों को आत्मीयता से गले लगाया, अपनत्व की अनुभूति कराई, सभी से मित्रता की। जटायु को भी पिता का सम्मान दिया। प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर को राष्ट्र मंदिर इसलिए भी कहा जा रहा है क्योंकि यहां आने वाले हर व्यक्ति को यह मंदिर भारतीय सनातन संस्कृति की पहचान है। पूरे विश्व में यह मंदिर हिन्दू सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए बहुत बडा केंद्र है। प्रभु श्रीराम की कृपा से इस मंदिर से करोड़ों व्यक्तियों की मनोकामनाओं की पूर्ति के साथ साथ लाखों लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हुए हैं। अब काशी ओर मथुरा में भी भव्य मंदिर की प्रतीक्षा है

रविन्द्र कुमार पाण्डेय

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	12	2171	2321
उडद	4	5753	8400
सोयाबीन	2419	3800	4630
गैहु	2439	2350	3350
चना	125	5152	5600
मसुर	398	5052	5971
धनिया	872	4121	5890
लहसुन	25500	8501	21800
मैथी	260	4800	5901
अलसी	650	4415	5038
सरसो	3700	4051	4850
तारामीरा	1	4500	4500
इसबगोल	1	15081	15081
प्याज	426	650	1201
कलोंजी	20	16080	17299
डॉलर	7	12511	15101
तिल्ली	3	14079	14281
मटरसुखी	5	3500	43000
असालीया	500	5500	7100

मामला किश्ते जमा नही होने पर राम मंदिर के पुजारी को घर से बेदखल करने का....

पिता की मौत के बाद मामला बढ़ा तो प्रशासन ने घर का ताला खुलवाकर पुजारी को कराया घर में प्रवेश

पिपलियामंडी, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गांव भील्याखेड़ी में फायनेंस कंपनी द्वारा पुजारी को घर से बाहर निकालकर ताला निकालने के 14 दिन बाद जिला प्रशासन ने गुरुवार को पुजारी को पुन: चाबी देकर घर मे प्रवपेश कराया। किस्ते जमा नही होने पर निजी फायनेंस कंपनी के अधिकारियों द्वारा पुलिस के साथ मिलकर राम मंदिर के पुजारी के घर का सामान बाहर निकालकर ताला लगाने व पुजारी के 100 वर्षीय वृद्ध पिता को पलंग सहित घर से निकालने का मामला मीडिया में आने के बाद मानव अधिकार आयोग ने मामला संज्ञान में लेकर कलेक्टर, एसपी से मामले की जांच कराकर तीन सप्ताह के भीतर प्रतिवेदन मांगा था। इस बीच गुरुवार जिला प्रशासन ने टीम भेजकर पुजारी को उसके घर की चाबी दिलाकर घर में प्रवेश कराया, प्रशासन ने दावा किया कि पुजारी को उनका मान सम्मान लौटाया है। इधर किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने कहा कि मामला बढ़ने के बाद प्रशासन ने पुजारी को चाबी दिलवाकर इतिश्री कर ली, जबकि दोषियों पर कोई कार्रवाई न ही की।

यह था मामला:– जानकारी के अनुसार नाहरगढ़ थानान्तर्गत भील्याखेड़ी निवासी गोविन्ददास बैरागी ने 2015 में मेन्टोर फायनेंस जयपुर से मकान बनाने के लिए 3 लाख का लोन लिया था। लोन देने के दौरान 20 हजार बीमे के व 50 हजार अन्य खर्च के काट लिए, इसके अलावा 10 हजार रुपए लोन की खुशी में मैंने सांवलियाजी मंदिर में दान कर दिए। इसके बाद 70 हजार रुपए किश्तें भरी। कोरोना आने के बाद लॉकडाउन हो गया, बाद में मेरे पिता व पत्नी भी तबीयत खराब होने से इलाज में राशि खर्च होने से किस्ते नही भर पाया था। इसके बाद 1 फरवरी 2024 मेन्टोर होम फायनेंस कंपनी के अधिकारी पुलिस के साथ पहुंचे और पुजारी के घर का सामान बाहर निकालकर पुजारी के 100 वर्षीय बीमार पिता रुपदास को पलंग सहित घर से बाहर निकालकर घर पर ताला लगा दिया था। घर से बाहर निकालने के बाद पुजारी खेत पर झोपड़ी बनाकर रहने को मजबूर था। इस बीच 11 फरवरी 2024 को पुजारी के वृद्ध पिता रुपदास की सदमे में मौत हो गई।

मामला बढ़ा तो पुजारी को दी चाबी:– समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होने के बाद मानव अधिकार आयोग ने भी मामला संज्ञान में लेकर कलेक्टर, एसपी को मामले की जांच कराकर 3 सप्ताह के भीतर प्रतिवेदन भी मांगा था। गुरुवार को कयामपुर नायब तहसीलदार कमल सुनहरे सहित अन्य अधिकारी गांव भील्याखेड़ी पहुंचे, पीड़ित परिवार को मकान की चाबी सौंपकर घर में प्रवेश कराया। प्रशासन ने दावा किया कि पुजारी को चाबी देकर उनका मान-सम्मान लौटाया है। पुजारी ने मकान दिलाने पर प्रशासन का आभार भी जताया है।

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नही की:– किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने आरोप लगाया कि लगातार बढ़ रहे विरोध के बाद प्रशासन ने पुजारी गोविन्दास को घर की चाबी तो सौंप दी, लेकिन उन्हें जलील करने वाले फायनेंस कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की ? घर से बेदखल करने के बाद पुजारी के पिता रुपदास की सदमे में जान चली गई, इसका जिम्मेदार कौन ? कुल मिलाकर शासन, प्रशासन ने निजी फायनेंस कंपनियों को सूदखोरी का लायसेंस दे दिया है। समूह लोन व फायनेंस कंपनी के मकड़जाल में आमजन की जिंदगी तबाह हो रही है। लोन देने के दौरान कंपनिया फाइल चार्ज के साथ अनेक तरह के चार्ज काट लेती है, आरबीआई के नियमों को धत्ता बताकर अधिक ब्याज दर वसूल रही है और पठानी वसूली कर रही है। भोले-भाले ग्रामीणों के साथ लोन के नाम पर लूट हो रही है। पुजारी को न्याय तभी मिलेगा, जब दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो व पीड़ित को उचित सहायता प्रदान की जाए।

मैं अधिकारियों के साथ था:– नायब तहसीलदार कमल सुनहरे से मामले को लेकर चर्चा की तो उनका कहना था कि पुजारी को घर की चाबी सुपुर्द कर दी है, मैं अधिकारियों के साथ गया था। पुजारी को अब किश्तें भरना पड़ेगी या नही ? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह तो उच्च अधिकारी ही बता सकते है।

शराब ठेको के लिए– आबकारी विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को वर्तमान शराब ठेकेदारों की बैठक ली। जिसमे उनको पुरानी राशि में 15 प्रतिशत राशि बढ़ाने पर रिन्यूअल का आफर दिया गया है। अगर यह आफर वर्तमान शराब ठेकेदार मान गए तो उनके लाइसेंस रिन्युअल कार दिए जाएंगे।

गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार लेने के लिए प्रेरित करें-कलेक्टर

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की कार्यों की समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान निर्देश देते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार लेने के लिए प्रेरित करें। अगर गर्भवती महिलाएं पौष्टिक आहार ज्यादा से ज्यादा ग्रहण करती है, तो उनके स्वास्थ्य पर बहुत ही सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसे बच्चे जिनका वजन बहुत कम है। उनको चिन्हित करें तथा उनका कुपोषण दूर हो इसके लिए विशेष प्रयास किया जाए।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत लक्ष्य अनुसार उपलब्धि प्राप्त करें। जीन सुपरवाइजर का काम बहुत अच्छा नहीं है उन पर उचित कार्यवाही की जाए। ई केवाईसी का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण करें। पूरक पोषण आहार सभी को समय पर मिले। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम सहित स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे। फोटो संलग्न

बीमा कंपनी फसल बीमा की राशि का भुगतान समय पर करें– कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में बुधवार की शाम जिला पंचायत सभागृह में जिला स्तरीय समन्वय समिति (डीएलसीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री यादव ने सभी बैंकों के अधिकारियों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के प्रकरण की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश दिए। बैठक में उद्यम क्रांति योजना के पेंडिंग प्रकरणों का निराकरण जल्दी करने के निर्देश दिए। सभी बैंकों के मैनेजर पेंडिंग आवेदनों की सूची बनाकर उपलब्ध कराए। जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना के लंबित प्रकरण का निराकरण जल्द करें। बैंक से संबंधित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण समय सीमा में करें, निराकरण नहीं करने पर कार्यवाही की जाएगी। फसल बीमा कंपनी किसानों का फसल बीमा की राशि का भुगतान समय पर करें। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, एलडीएम, संबंधित सभी जिलाधिकारी एवं सभी बैंकों के बैंक मैनेजर उपस्थित थे।

मप्र बोर्ड 10वीं और 12वीं के रिजल्ट 15 अप्रैल तक जारी होने की संभावना

भोपाल, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (MP Board) की 10वीं व 12वीं परीक्षाएं चल रही है। अब तक 12 से ज्यादा पेपर हो चुके हैं। इस बार परीक्षा एक माह पहले आयोजित की जा रही है तो परिणाम भी एक माह पहले जारी होगा।

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (MP Board) की 10वीं व 12वीं परीक्षाएं चल रही है। अब तक 12 से ज्यादा पेपर हो चुके हैं। इस बार परीक्षा एक माह पहले आयोजित की जा रही है तो परिणाम भी एक माह पहले जारी होगा। अब तक हुए पेपरों की उत्तरपुस्तिकाएं कलेक्शन केंद्रों से जिला मुख्यालयों में बने मूल्यांकन केंद्रों में पहुंचने लगी हैं। मूल्यांकन कार्य में प्रदेश से 25 हजार और भोपाल जिले से 1800 शिक्षकों को लगाया जाएगा। बता दें, कि इस साल दोनों कक्षाओं में करीब 17 लाख विद्यार्थी शामिल हुए हैं।

शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य में लगाया जाएगा– बोर्ड की ओर से मध्य प्रदेश के सभी कलेक्टरों, डीईओ सहित सभी अधिकारियों को निर्देश भेज दिए गए हैं। उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने के लिए शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जा रही है। जो शिक्षक अभी परीक्षा कराने में लगे हैं, वे परीक्षा समाप्त होने के बाद मूल्यांकन कार्य में शामिल होंगे। जो अतिरिक्त शिक्षक हैं, उनसे पहले चरण का मूल्यांकन शुरू करा दिया जाएगा। शिक्षक को कम से कम पांच साल शिक्षण का अनुभव होना चाहिए। लोकसभा चुनाव में शिक्षकों की ड्यूटी लगाने से पहले दोनों कक्षाओं का मूल्यांकन कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

रोजाना ढाई से तीन हजार कापियों के मूल्यांकन का लक्ष्य– अधिकारियों के मुताबिक भोपाल जिले के विद्यार्थियों की कापियों का मूल्यांकन अन्य जिले में कराया जाएगा। पेपर खत्म होते ही कापियों के बंडल बनाकर समन्वयक केंद्रों में भेजी जा रही हैं। वैसे प्रत्येक केंद्र में रोजाना ढाई से तीन हजार कापियों का मूल्यांकन कराने का लक्ष्य

रखा गया है। मंडल के निर्देश हैं कि कापियां जांचने का काम पूरी पारदर्शिता और तेजी से किया जाए। मूल्यांकन खत्म होने के साथ ही विद्यार्थियों के अंक भी तुरंत पोर्टल पर अपलोड करना है। उसके आधार पर रिजल्ट बनाया जाएगा।

22 फरवरी से मूल्यांकन कार्य कड़ी निगरानी में शुरू होगा। बोर्ड ने 15 अप्रैल तक रिजल्ट घोषित करने का लक्ष्य रखा है।

केडी त्रिपाठी, सचिव, माशिमं

मामला आलोट से सांवरियाजी जाने वाले श्रृद्धालुओ की अर्टिगा कार की दुर्घटना का...

उपचार के दौरान दो और युवकों की मौत

नीमच, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आलोट क्षेत्र के डाबडिया और तालोद के 6 दोस्तों की अर्टिगा कार की सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात नीमच बाईपास पर दुर्घटना हो गई थी। इसमें 3 दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं घायल 2 युवकों को गंभीर चोट आने पर उदयपुर अस्पताल रेफर किया गया था। जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। जबकि, एक युवक सकुशल है। दोनों गंभीर घायलों को 13 फरवरी की रात में ही उदयपुर के निजी अस्पताल के लिए रेफर किया गया था। गुरुवार को हादसे के 2 दिन बाद इलाज के दौरान घायल शैलेंद्र पाटीदार और संजय पाटीदार की मौत हो गई है। बता दें कि दोनों डाबडिया और तालोद गांव के निवासी है। वहीं घायल राजेश पाटीदार की स्थिति में सुधार है। कार की पिछली सीट पर बैठे होने के कारण इन्हें चोट कम आई थी, राजेश का उपचार नीमच के निजी अस्पताल में चल रहा है।

गुणवत्ता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए समय-सीमा में पूर्ण की जाए निर्माणाधीन परियोजनाएं-मंत्री सिंह

लोकनिर्माण विभाग अंतर्गत वृहद् परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गुणवत्ता, सुरक्षा और समयबद्धता प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है, इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। निर्माणाधीन परियोजनाओं को पारदर्शिता, गुणवत्ता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए समय सीमा में कार्य पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। मंत्री श्री सिंह ने लोक निर्माण विभाग की वृहद परियोजना की समीक्षा बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों से संबंधित विभिन्न इकाई समन्वय बनाकर कार्य करें।मंत्री श्री सिंह ने कहा कि लोकनिर्माण के कार्यों से लोककल्याण हो हम इस विज़न के साथ कार्य करें। निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जाये। परियोजनाओं में देरी के कारणों का पता लगाएं और तत्काल समस्या का निराकरण कर परियोजनाओं को पूर्ण कराएं। गुणवत्ता एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिये नियमित रूप से इंपैक्ट वैल्यू टेस्ट, क्यूब टेस्ट, सिल्ट कंटेंट टेस्ट, रोड रिलेटेड टेस्ट, कंक्रीट कंप्रेसिव स्ट्रैंथ टेस्ट, स्लंप टेस्ट कराए जाएं। उन्होंने कहा कि विभाग अंतर्गत निर्माण कार्यों की विभिन्न यूनिटस समन्वय बनाकर कार्य करें।

मंत्री श्री सिंह ने लोकनिर्माण विभाग अन्तर्गत भवन, सेतु, एमपीआरडीसी एवं एनएचएआई के द्वारा कराये जा रहे 100 करोड़ से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने सड़क निर्माण अन्तर्गत उज्जैन रिंग रोड, कोलार 6 लेन रोड, पच्ची रामनगर घुगनी सलवाद मार्ग की वर्तमान भौतिक प्रगति की समीक्षा कर कोलार 6 लेन में हो रही देरी के संबंध में जानकारी प्राप्त कर कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सिंह ने सेतु निर्माण अन्तर्गत भोपाल मैदा मिल रोड फ्लाई ओवर, इंदौर एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण, भवन निर्माण अंतर्गत बुधनी मेडिकल कॉलेज, मंदसौर मेडिकल कॉलेज निर्माण, एनएचएआई अंतर्गत जबलपुर में एलिवेटेड कॉरिडोर एवं जबलपुर रिंग रोड के वर्तमान भौतिक प्रगति की समीक्षा कर समस्त कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये।इस दौरान प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री अविनाश लवानिया और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

हाईकोर्ट ने दी विभागों को चेतावनी

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं तो बनेगे चालान

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। वाहन चालकों की मुसीबतें कम नहीं हो रहीं हैं। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट यानि एचएसआरपी पर तो दिक्कत और बढ़ती जा रही है। इस मामले में हाईकोर्ट सख्त है। जिसके कारण परिवहन विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी भी परेशानी में पड़ गए हैं। एचएसआरपी और हेलमेट की अनिवार्यता के मामले में हाईकोर्ट ने परिवहन विभाग और एडीजीपी ट्रैफिक को कड़ी चेतावनी दी है। बता दे कि मंदसौर में ही 30 प्रश से ज्यादा वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लग पाई है। इसका कारण है सर्वर में आ रही परेशानियो को बताया जा रहा है। सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट, बाइक-स्कूटर पर हेलमेट व कार में सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है। इस मामले में संबंधित विभागों ने अंडरटेकिंग दी। लेकिन, उसका पालन नहीं किया। बाद में अधिकारियों ने जवाब पेश किया। लेकिन इस जवाब से हाईकोर्ट संतुष्ट नहीं हुआ। अब कोर्ट ने प्रदेश के परिवहन आयुक्त व एडीजीपी ट्रैफिक के विरुद्ध अवमानना की कार्रवाई तक की चेतावनी दे दी है। कोर्ट में इस मामले में मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ व न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की युगलपीठ का बेहद सख्त रूप दिखा। अधिकारियों पर अवमानना का केस दर्ज होना तय सा हो गया पर अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत रूपराह ने जवाब पेश करने के लिए एक दिन की और मोहलत मांगी।

खराब मौसम के चलते अफीम फसल उखाड़ने के आवेदन दिए

लूनाहेड़ा, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव के चलते अफीम की फसलों में दिनों दिन बीमारियों का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। इसके चलते गांव लसूडिया राठौड़ के अफीम लाइसेंस धारी काश्तकार कालूराम पिता लक्ष्मीराम मेघवाल द्वारा पार्ट 2 के मुखिया मागुसिंह राठौड़ को नारकोटिक्स विभाग के अधीक्षक महोदय के नाम अफीम की फसल में बीमारियों के प्रकोप के चलते चिरा नहीं लगाने का कारण स्पष्ट करते हुए समय पर फसल उखड़वाने का आवेदन प्रस्तुत किया।

ओलावृष्टि से प्रभावित कोई भी किसान सर्वे एवं राहत से छूटे नहीं-मुख्यमंत्री

नीमच, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने गत 11 से 14 फरवरी के मध्य पूर्वी मध्यप्रदेश के कुछ जिलों असामायिक वर्षा और ओलावृष्टि से हुए नुकसान का तत्काल सर्वे करने के निर्देश दिये है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि ओलावृष्टि से प्रभावित कोई भी किसान राहत और सर्वे से छूटे नही। सर्वे के बाद कलेक्टरों को आरबीसी 6(4) में किसानों को राहत राशि वितरित करने के निर्देश दिए है।

बालाघाट, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, डिडोंरी, मण्डला, सतना, सिंगरौली, पन्ना, अनूपपुर एवं छतरपुर की 34 तहसीलों के 343 गाँव के 3 हजार 701 किसानों की फसलों के प्रभावित होने की सूचना पर तत्काल सर्वेक्षण के निर्देश दिये गये है। राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के अनुरूप राहत प्रदान करने को कहा है। राहत राशि स्वीकृत करने के लिये पर्याप्त मात्रा में बजट उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि ओलावृष्टिप्रभावितों को वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य शासन द्वारा 121 करोड़ रूपये की राशि वितरित की गई है। विगत तीन वर्षों में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को 1 हजार 820 करोड़ रूपये की सहायता दी गई है।

दस्तक अभियान का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण करें-कलेक्टर

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सुशासन भवन में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा की दस्तक अभियान का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करें। लक्ष्य पूर्ण न करने पर कार्यवाही होगी। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सभी आयुष्मान कार्ड की ईकेवाईसी का कार्य जल्द पूर्ण करें एवं आभा आईडी भी बनाने का कार्य करें। आयुष्माओन की ई-केवाईसी एवं आभा आईडी की दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुवत करें। आभा आईडी में जिन उपस्वाास्थ्री केन्द्रध का नाम बॉटम 10 में है, उन उपस्वासस्य्त केन्द्रों के एएनएम, सीएचओ एवं सेक्ट्र सुपरवाईजर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये जायेगे। प्रतिउत्तिर संतोषप्रद ना पाये जाने पर वेतनवृद्धि रोकने एवं वेतन काटा जाएगा। एनसीडी कार्यक्रम अन्त र्गत शुन्यउ प्रतिशत उपलब्धि वाले सीएचओ एवं एमओ को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये जायेगे। मातृ मृत्यु समीक्षा में जिन एएनएम द्वारा सही से बीपी नहीं नापा गया उन्हें कारण बताओ सूचनापत्र जारी किया जाएगा।

वैश्य महिला इकाई ने बसंत उत्सव मनाया

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई द्वारा बसंत उत्सव मनाया गया ,सर्वप्रथम सभी बहनों को केसर चंदन का टीका लगाकर उनका स्वागत किया गया तत्पश्चात मां सरस्वती की पूजन अर्चन की गई और भजन के साथ सभी ने वसंत उत्सव के उपर मनोरंजन गेम भी खेला और प्रसाद वितरण किया गया यह जानकारी वैश्य महिला इकाई जिला प्रभारी भारती अग्रवाल ने दी ,गेम के प्रथम विजेता रानी अग्रवाल द्वितीय सीमा धनोतिया तृतीय भारती अग्रवाल रहे । इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन जिला महिला इकाई अध्यक्ष स्वेता अग्रवाल,सुनीता बंडी, रचना पोरवाल,रानी अग्रवाल,रंजना जैन,सीमा धनोतिया,वंदना सोमानी,प्रतिभा गुप्ता,विनीता खंडेलवाल उपस्थित रहे।इस कार्य क्रम का संचालन भारती अग्रवाल ने किया और आभार स्वेता अग्रवाल ने माना।

हम कितना भी ऊंचे उठ जाए हमें कभी भी अपनी जड़ों को नहीं छोड़ना चाहिए-डॉ. यजुर्वेदी

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। हम कितना भी उंचे उठ जाए हमें कभी भी अपनी जड़ों को नहीं छोड़ना चाहिए। यह बात मंदसौर शहर के ब्लड मैन कहे जाने वाले डॉ. हिमांशु यजुर्वेदी ने वसंत पंचमी के उत्सव पर सैनिक स्कूल मंदसौर के कैडेटस को उद्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कैडेटस को जीवन में अनुशासन की महत्वता, समर्पण का भाव,विद्यालय से एक विद्यार्थी का जुड़ाव, कैडेट होना एक गर्व की बात हैं जैसी अनेक बातों को अपने विद्यालय के पुराने अनुभवों के साथ साझा की। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर मां शारदा का पूजन अर्चन किया गया। इस कार्यक्रम में सैनिक विद्यालय की प्राचार्या डॉ. श्रीमती सरोज प्रसाद, उपप्राचार्य सुश्री लक्ष्मी राठौड़, इंस्ट्रक्टर्स, शिक्षक परिवार व समस्त कैडेटस उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज में बसन्तोत्सव का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने बताया है कि महाविद्यालय के संस्कृत विभाग एवं एन.एस.एस. इकाई के संयुक्त तत्वावधान में बसंत पंचमी के अवसर पर वसन्तोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ विद्या की देवी माँ शारदा की पूजा अर्चना से हुआ, जिसमें प्रद्युम्न शर्मा द्वारा पूजा अर्चना सम्पन्न कराई गई। विद्यार्थी देवांश मालवीय, कुमारी राधिका बैरागी, गणेश उपाध्याय एवं विनय शर्मा द्वारा महाविद्यालय द्वारा क्रय किए गए नवीन वाद्य यंत्रों से सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की गई। स्वयंसेवक मोहित गोस्वामी द्वारा वसन्तोत्सव पर काव्यपाठ एवं वनस्पति विज्ञान के डॉ. संतोष कुमार शर्मा ने गीत प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने महाविद्यालय में संगीत क्लब बनाए जाने की घोषणा की और विद्यार्थियों के संगीत के प्रेम को देखते हुए कहा कि शीघ्र ही महाविद्यालय के नवीन प्रवेश सत्र में संगीत विषय के पाठ्यक्रम के प्रारम्भ करने की बात कही। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन में वसंत की तरह नित्य नए ज्ञानार्जन के अवसरों का आगमन होता है, विद्यार्थियों को अपने ज्ञान की वृद्धि के लिए गुरुजनों के मार्गदर्शन में अपने ज्ञान की वृद्धि करनी चाहिए। ज्ञान एवं बुद्धि को देने वाली माँ सरस्वती सारे शिक्षकों के ज्ञान को प्रकाशित करें। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जे.एल .आर्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वसंत ऋतु हमें जीवन में उमंग प्रदान करती हैं। संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.के.आर.सूर्यवंशी ने कहा कि हमेशा नई उमंग के साथ नए, नए विचारों के साथ राष्ट्र हित में नए विचारों से विकास का मार्ग खोजना चाहिए। अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. वीणा सिंह ने वसंत ऋतु की महत्त्व को समझाते हुए विद्यार्थियों को हर समय नवीन ज्ञान से ओतप्रोत होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. द्युति मिश्रा किया एवं आभार संस्कृत के प्राध्यापक डॉ. अनिल कुमार आर्य ने माना। महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री नरेश चन्दवानी ने वसन्त पंचमी की शुभकामना देते हुए महाविद्यालय द्वारा आयोजित वसन्तोत्सव कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सभी प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी एवं संस्कृत विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विद्यार्थी उपस्थित रहें।

मध्यप्रदेश निवेश संवर्धन के अंतर्गत मंत्रि-परिषद समिति का गठन

मंदसौर, 15 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश निवेश संवर्धन अधिनियम 2008 के अंतर्गत मंत्रि-परिषद समिति का गठन किया गया है। उक्त मंत्रि-परिषद समिति में मंत्रि-परिषद के सदस्यगण को अतिरिक्त रूप से ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल को सदस्य नामांकित किया गया है।

स्प्रे-पेन्टर चाहिए
✻ संपर्क ✻
7089832581

✻✻✻ सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम अनीता पिता रामस्वरुप दर्ज है एवं समस्त शैक्षणिक रेकार्ड, अंकसूचियों में मेरा नाम अनिता दर्ज है। 2023 में आयोजित हुई पटवारी परीक्षा का फार्म मैने अनिता व्यास के नाम से जमा कराया है। अतः सूचित किया जाता है कि मुझे अनिता व अनिता व्यास दोनों नाम से जाना एवं पहचाना जावें।

✻✻✻✻✻✻✻✻✻✻ भवदीय ✻✻✻✻✻✻✻✻✻✻
अनिता पिता रामस्वरुप
ग्राम सरसोद, तहसील दलौदा, जिला-मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in